

मोपाल

13 अक्टूबर 2026

मंगलवार

आज का मौसम

 35.0 अधिकतम

 20.4 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



वाँव राहुल...! यू आर ग्रेट... यू हैव डन इट!

वा कई राहुल गांधी ! आपने वह कर दिखाया, जो दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर विजय हासिल करने वाला पर्वतारोही भी शायद न कर सके ! आकाशवाणी परिसर में कथित अनधिकृत प्रवेश के बाद देश की सर्वोच्च अदालत के परिसर में पहुंचकर आपने भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। आप ऐसा करने वाले देश के पहले नेता प्रतिपक्ष हैं या नहीं, यह अलग सवाल है। लेकिन आपके इस कारनामे पर मेरे मुंह से जो शब्द निकले, वे यही थे - 'वाँव राहुल,वाँव ! यू हैव डन इट ! यू आर रियली ग्रेट !'

आपने इंडी अलायन्स की ओर से देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से मिलने और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। लेकिन न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने साफ कर दिया कि जिस विषय पर आप मिलना चाहते हैं, उससे संबंधित याचिका पहले से विचाराधीन है। ऐसे में मुलाकात संभव नहीं है। हां, आप चाहें तो अपनी ओर से भी याचिका दायर कर सकते हैं। याद कीजिए, जब आपने पूर्व में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी के आरोप लगाए थे, तब उन्होंने भी शिकायतों और उनसे जुड़े तथ्यों को शपथपत्र के साथ प्रस्तुत करने को कहा था। उनका आश्वासन था कि नियमानुसार शिकायत मिलने पर उसकी जांच की जाएगी। नेता प्रतिपक्ष का पद महत्वपूर्ण है। उसे लोकतंत्र में विशेष जिम्मेदारी और प्रतिष्ठा हासिल है। लेकिन क्या इस पद से मिलने वाले अधिकारों का अर्थ यह भी है कि आप निर्धारित प्रोटोकॉल को अपनी सुविधा के अनुसार लांच जाएं? मुख्य न्यायाधीश के

असली सवाल संवैधानिक मर्यादाओं का है

संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों से ऐसी ही अपेक्षा की जाती है। मुख्य न्यायाधीश हों या मुख्य निर्वाचन आयुक्त, उन्हें किसी राजनीतिक दल की सुविधा के मुताबिक नहीं, बल्कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही काम करना होता है। लेकिन राहुल भाई, तब आपने क्या कहा था? यही न कि जो कहना था, कह दिया। आप इसे जिस तरह दर्ज करना चाहें, कर लें। मेरा बयान ही मेरा हलफनामा है। वाह राहुल जी ! लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार आपका है, लेकिन क्या संवैधानिक संस्थाओं से जवाब मांगने वाले किसी नेता को उनके निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन नहीं करना चाहिए? क्या किसी का राजनीतिक कद इतना बड़ा हो सकता है कि उसके बयान को ही शपथपत्र मान लिया जाए? निर्वाचन आयोग ने हस्ताक्षरयुक्त हलफनामे के अभाव में आपकी शिकायत दर्ज नहीं की। सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत आपकी याचिका को लेकर भी तकनीकी सवाल उठेंगे। उनका निराकरण हो ही जाएगा। लेकिन यहां असली सवाल याचिका की तकनीकी खामियों का नहीं, संवैधानिक मर्यादाओं का है।

इनकार के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय परिसर में पहुंचकर आप आखिर क्या हासिल करना चाहते थे? आप क्यों इंडी अलायंस के दूसरे साथियों से सुप्रीम कोर्ट पहुंचने का आव्हान कर रहे थे? जब न्यायमूर्ति सूर्यकांत सहित अधिकांश लोग वहां से जा चुके थे, तब आपके वहां पहुंचने का औचित्य क्या था? न्यायपालिका को अपने राजनीतिक उपक्रम का मंच बनाना, फोटोशूट कराना या निर्वाचन आयुक्त को हटाने सहित विभिन्न मुद्दों पर दायर याचिकाओं की गंभीरता का एहसास कराना? आपके मंतव्य को समझना मेरे जैसे अल्पबुद्धि पत्रकार के लिए अबूझ पहेली है। लेकिन इससे आपको क्या फर्क पड़ता है कि आम नागरिक आपके इस आचरण को किस नजर से देखता है या आगे देखेगा ! आपको जो करना था, वह आपने कर दिखाया। सर्वोच्च न्यायालय परिसर में राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लग गए। आपकी बहन प्रियंका गांधी, सपा नेता अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव और सुप्रिया सुले सहित कई नेताओं के साथ

तस्वीरों भी खिंच गईं। और तो और, बुजुर्ग पार्टी अध्यक्ष के चेहरे पर बैटमैन का मुखौटा पहनाकर आपने उन लाखों बच्चों को भी खुश कर दिया होगा, जो इस काल्पनिक चरित्र में नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाने वाले नायक को देखते हैं। आपने खुद भी मुखौटे के साथ फोटो खिंचवाकर अपनी राजनीतिक छवि का एक नया रूप प्रस्तुत कर दिया। अप्रत्याशित घटनाक्रम या सुनियोजित पटकथा का हिस्सा? : सवाल यह है कि यह सब महज एक अप्रत्याशित घटनाक्रम था या किसी सुनियोजित पटकथा का हिस्सा? यदि पटकथा थी, तो इसके राजनीतिक निहितार्थ क्या हैं? इसे किसने लिखा? इसका सृजन भारत में हुआ या कहीं देश के बाहर? यह सवाल इसलिए क्योंकि भारत के सत्तारूढ़ दल पर एक साथ चौरफा हमले हुए हैं। इन सवालों के जवाब तलाशे जा सकते हैं, लेकिन बिना प्रमाण किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। दुनिया के दूसरे देशों में भी राजनीतिक आंदोलनों और संवैधानिक संस्थाओं से टकराव के उदाहरण

मिलते रहे हैं। फिर इस मामले में संयुक्त राष्ट्र की चिंता के पीछे क्या कोई विशेष संदर्भ है? या अलग-अलग घटनाओं को जोड़कर हम किसी ऐसी कहानी की कल्पना कर रहे हैं, जिसका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं? सवाल पूछना गलत नहीं, लेकिन सवालों को प्रमाण मान लेना भी तो उचित नहीं ! खासतौर पर पर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा और बलूचिस्तान में जुल्मों की गूंज यूएनओ दफ्तर नहीं पहुंचती । इसी कड़ी में एक और सवाल है। क्या इस पूरे घटनाक्रम का अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले उपचुनावों से कोई संबंध है? यदि है, तो वह क्या है? और यदि नहीं, तो इन घटनाओं को उस संदर्भ में देखने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है? फिलहाल ये सवाल हैं, निष्कर्ष नहीं। इनके उत्तर समय और तथ्यों के साथ ही सामने आ सकते हैं। राजनीति में संयोग भी होते हैं और रणनीतियां भी। कई बार राजनीतिक घटनाओं का वास्तविक अर्थ तत्काल समझ नहीं आता। लेकिन लोकतंत्र में किसी भी रणनीति का मूल्यांकन उसके उद्देश्यों के साथ-साथ उसके तरीकों और परिणामों से भी होना चाहिए। राहुल गांधी ने अपनी राजनीति का एक नया दृश्य प्रस्तुत किया है। अब देखना यह है कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं की मर्यादा को बल मिलता है या राजनीतिक प्रदर्शन की एक नई परंपरा स्थापित होती है। फिलहाल इतना ही। कल फिर बात करेंगे कि राहुल गांधी को बार-बार शिव क्यों याद आते हैं? एलन मस्क के मुकेश अंबानी पर कसे गए तंज और राहुल गांधी के मस्क का अभिवादन करने के पीछे आखिर क्या छिपा है? क्या इन घटनाओं के भी कुछ ऐसे राजनीतिक और कारोबारी निहितार्थ हैं, जिन पर अभी हमारी नजर नहीं गई है?

(जारी)

न्यूज विंडो

सुकमा में सुरक्षा बलों ने जब्त किए माओवादियों के हथियार

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में लाल आतंक के खिलाफ चलाए जा रहे निर्णायक अभियान के तहत सुरक्षा बलों को एक और बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सुकमा जिले के दुर्गम और घने जंगलों में चलाए गए एक विशेष तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने माओवादियों के हथियार डंप का पर्दाफाश किया है। मौके से 13 अत्याधुनिक व देशी हथियार, भारी मात्रा में ज़िंदा कारतूस और 200 से अधिक डेटोनेटर बरामद किए गए हैं।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पटरी से उतरी पैसंजर ट्रेन, 5 की गई जान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक पैसंजर ट्रेन पटरी से उतर गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य कई लोग घायल हो गए हैं। पाकिस्तान के जियो न्यूज ने मामले की जानकारी दी। रेलवे के प्रवक्ता कलीम अख्तर के हवाले से बताया कि कराची के दक्षिणी बंदरगाह शहर से उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर जा रही रहमान बाबा एक्सप्रेस पंजाब प्रांत के शेर शाह में पटरी से उतर गई। यह दुर्घटना सुबह करीब 5:15 बजे हुई।

नाबालिग बेटा चला रहा था बाइक दुर्घटना में माता-पिता समेत तीनों की मौत जशपुरनगर। नाबालिग बेटे के हाथ में बाइक देना एक परिवार को लिए बड़ी भूल साबित हुई। हाईवा के साथ घुई आमने-सामने की भिड़ंत में पति-पत्नी और बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना जिले के बगीचा थाना क्षेत्र मैनी मोड़ की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पाटनवार ने बताया कि मैनी निवासी नईहर साय, उसकी पत्नी शांति और बेटा विश्वनंद बाइक से अपने गांव की ओर वापस लौट रहे थे। इस दौरान बाइक की भिड़ंत होने से तीनों की जान चली गई।

आज का कार्टून

जंतर-मंतर पर नहीं होगा धरना प्रदर्शन

ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम... पेश हुआ विकास का नया नजरिया

मोदी बोले- सभी को सक्षम बनाने में काम आए डेटा- तकनीक की ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तकनीक, डेटा और इनोवेशन की बढ़ती ताकत के बीच विकास का नया नजरिया पेश किया। भारत में पहली बार आयोजित हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में पीएम ने कहा कि आज असली सवाल यह नहीं है कि ताकत किसके पास है, बल्कि यह है कि उसका इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है। तकनीक का फायदा सिर्फ कुछ लोगों तक सीमित रहे, तो उसका उद्देश्य अधूरा है। इसका असली लक्ष्य लाखों लोगों के लिए नए अवसर पैदा करना और उनकी क्षमता बढ़ाना होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तकनीक सिर्फ कुछ लोगों को आगे बढ़ाती है या लाखों लोगों के लिए नए अवसर भी बनाती है? प्रधानमंत्री ने कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर प्रतिभा तक, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसका श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी। भारत की ताकत दूसरों को सक्षम बनाने में है। नागरिकों को मजबूत और सशक्त बनाने के रास्ते पर चलते हुए भारत ने पिछले दस सालों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जो दुनिया के कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है। पीएम ने कहा भारत दूसरों के लिए अवसर पैदा करने और देशों को जोड़ने में विश्वास रखता है। कोविड के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों में वैक्सीन पहुंचाई। हम अपनी क्षमताओं का

भारत ने दुनिया को सस्ती दवाएं-टैलेंट दिया, बदले में क्रेडिट-रॉयल्टी भी नहीं ली



भारत लोकतंत्र की जननी

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में कई भाषाएं बोली जाती हैं और लोग अपनी बात खुलकर रख सकते हैं। इसी वजह से भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। उन्होंने बताया कि देश में 100 से अधिक भाषाएं, करीब 80 हजार रजिस्टर्ड अखबार और प्रकाशन तथा 1000 से ज्यादा सैटलाइट टीवी चैनल हैं। इसके अलावा, सोशल मीडिया के दौर में भारत में 50 करोड़ से ज्यादा यूट्यूब यूजर्स और 50 करोड़ से ज्यादा इंस्टाग्राम यूजर्स हैं। पीएम ने कहा कि देश में अलग-अलग मुद्दे पर खुलकर बहस होती है और लोग अलग-अलग विचारों व नजरियों पर चर्चा करते हैं।

भारत में गरीबी दूर करने के प्रयासों का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करना है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में भारत ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। स्टार्टअप के मौके छोटे शहरों तक पहुंचे हैं। आर्थिक सुधारों का नतीजा है कि भारत की विकास दर 7.8 फीसदी रही और विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से ज्यादा है। 2014 के बाद मोबाइल डेटा सस्ता हुआ है। इससे छोटे शहरों और कस्बों के छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई, जानकारी और रोजगार से जुड़े नए अवसरों तक पहुंच मिली है।

इस्तेमाल पूरी मानवता के फायदे के लिए करना चाहते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके साथ सप्लाई चेन, ऊर्जा, खनिज और तकनीक भी देशों के बीच दबाव बनाने के साधन बन रहे हैं। आज दुनिया को भरोसेमंद साझेदारों की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट से राहुल को राहत, मानहानि मामले में ट्रायल पर लगाई रोक



नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में निचली अदालत में चल रहे ट्रायल पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए संबंधित पक्षों से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। मामला 2018 में राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर राहुल की कथित टिप्पणियों से जुड़ा है। अदालत ने राहुल की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए संबंधित पक्षों से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। आरोप है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के लिए अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। इन टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई गई थी।

मानसा में बड़ी वारदात

नशा विरोधी मुहिम चलाने वाले परमिंदर सिंह झोटा की गोलियां मारकर हत्या

बठिंडा, एजेंसी। पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ बड़े स्तर पर सामाजिक मुहिम चलाने वाले मशहूर नशा विरोधी एक्टिविस्ट परमिंदर सिंह झोटा की आज सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई है। हमलावरों ने इस वारदात को उस समय अपने साथियों के साथ मानसा क्षेत्र में मौजूद थे। अधाधुंध गोलीबारी में परमिंदर सिंह झोटा के शरीर पर कई गोलियां लगीं, जिससे उनकी मौत हो गई। इस जानलेवा हमले में उनके साथ मौजूद दो अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद मानसा जिले और आसपास के मालवा क्षेत्र में स्थिति बेहद तनावपूर्ण बनी हुई है।

हमलावरों ने बेहद करीब से बनाया निशाना

जानकारी के मुताबिक, प्राथमिक रिपोर्ट और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने परमिंदर सिंह झोटा को निशाना बनाकर बेहद करीब से ताबड़तोड़ फायरिंग की। अचानक हुए हमले के दौरान झोटा के पेट और पांव में गोलियां लगीं, जिसके कारण वे लहलुहा होकर वहीं गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों और उनके साथियों ने तुरंत उन्हें और अन्य घायलों को संभाला। आनन-फानन में सभी घायलों को इलाज के लिए मानसा के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने परमिंदर सिंह झोटा को मृत घोषित कर दिया।

जेल में ईडी कर रही आजम खान से पूछताछ

रामपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार सदस्यीय टीम आज रामपुर जेल पहुंची। टीम ने पूर्व मंत्री आजम खान से जौहर ट्रस्ट मामले में पूछताछ कर रही है। साथ ही टीम आजम खान के बयानों का सत्यापन भी कर रही है। जिसमें मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सवाल भी पूछे जा रहे हैं। इस पूछताछ से जौहर ट्रस्ट मामले की जांच एक बार फिर चर्चा में आ गई है। ईडी की टीम ने आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम से भी पूछताछ की तैयारी की है।

फ्रांस में बड़ा साइबर अटैक

सुपर मार्केट्स के फ्रिजों का तापमान रातोंरात बढ़ाया और लगा दी आग

पेरिस। फ्रांस में सैकड़ों सुपरमार्केट्स के रेफ्रिजरेशन सिस्टम पर बड़ा साइबरअटैक हुआ। इससे 480 से ज्यादा दुकानों के फ्रिज और फ्रीजर का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैकरों ने कई स्टोर्स के रेफ्रिजरेशन सिस्टम को दूर से जबर्न डीफ्रॉस्टिंग मोड में डाल दिया। इससे ताजा और फ्रोजन खाना खराब हो गया। कई स्टोर्स में आग भी लगी। फ्रांस की बड़ी रिटेल कंपनियों ने इसे अब तक का ऐसा पहला और बेहद गंभीर हमला बताया। साइबर हमले के बाद फ्रांस की रिटेल फेडरेशन ने बताया कि कुछ प्रभावित स्टोर्स फिर से चलने लगे हैं लेकिन अब भी फ्रिजों को बंद रखा गया है।

अन्य यूरोपिय देशों के साथ मिलकर जांच

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबैस्टियन लेकार्नू ने नेशनल साइबरसिक्योरिटी एजेंसी ANSSI को जांच के आदेश दिए हैं। फ्रांस दूसरे यूरोपीय देशों के साथ मिलकर यह भी जांच कर रहा है कि वहां और कंपनियां प्रभावित हुई हैं या नहीं। पेरिस प्रॉसिच्यूटर् ऑफिस ने इसे बड़े स्तर का हमला बताया। पूरे फ्रांस में कई बड़े फूड रिटेलर्स के इंटरनेट से जुड़े फ्रिजों को निशाना बनाया गया। सुपरमार्केट में फ्रिज और फ्रीजर को अमतौर पर कंट्रोल पैनल से चलाया जाता है। ये पैनल पूरे स्टोर के ठंडक वाले सिस्टम को कंट्रोल करते हैं।



न्यूज विंडो

कलियासोत मैदान पर किया भूमिपूजन संपन्न, अब दशहरा उत्सव



भोपाल। जनश्री कल्याण समिति द्वारा सोमवार को कलियासोत मैदान पर आगामी दशहरा उत्सव के लिए भूमिपूजन किया गया। सुबह 11:30 बजे आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता उपस्थित रहे। पं. विष्णु राजोरिया ने विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, राकेश जोशी, प्रवक्ता योगेश गुप्ता सहित आशाराम शर्मा, वंदना परिहार, कमलेश शर्मा, अजय अग्रवाल, गिरीश तिवारी, डॉ. रमाकांत गुप्ता, राजेश सिंह, मनोज जाट, कमल गर्ग, सुनील कश्यप और गोविंद नामदेव मौजूद रहे।

रेलवे ट्रैक पार करते सेना से रिटायर्ड हवलदार ट्रेन की चपेट में आए, मौत

भोपाल। गौतम नगर इलाके में सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक पार करते समय सेना के रिटायर्ड हवलदार की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। मृतक की पहचान प्रेम नगर, नारियलखेड़ा निवासी सुरेश सिंह कनजी (57) के रूप में हुई है। यह सेना में हवलदार के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सुबह घर से निकले थे। इसी दौरान गौतम नगर क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पार करते समय तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए।

शांतिनाथ जिनालय से निकली शोभायात्रा, 64 चंवर सजाए



जिम्मेदार मौन...स्कूली बच्चों की सुरक्षा सवालों में बिना फिटनेस और बीमा के दौड़ रहीं 800 खटारा स्कूली वैन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में परिवहन विभाग यात्री बसों में आम यात्रियों की सुरक्षा के लिए दावे कर रहा है। अभियान चला रहा है। वहीं, सड़कों पर दौड़ती स्कूली वैनों की हालत पर ध्यान नहीं दे रहा। इन वैनों में सफर करने वाले स्कूली बच्चों की सुरक्षा में संध लगाई जा रही है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में स्कूली बच्चे खतरनाक और खटारा वाहनों से स्कूल आने-जाने को मजबूर हैं, जिन पर लगाम कसने वाला कोई नहीं है। यह खुली लापरवाही किसी भी दिन एक बड़े हादसे को दावत दे सकती है। शहर के कई निजी स्कूलों में बच्चों को बने के लिए ऐसे वाहनों का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है, जिनके पास न तो फिटनेस है, न पीयूसी और न ही बीमा जैसी बुनियादी जरूरतें मौजूद हैं।

इनमें से कई वाहन 15 से 20 साल पुराने हो चुके हैं। उनकी मियाद पूरी हो चुकी है। इसके बावजूद वे सड़कों पर बेखौफ दौड़ रहे हैं। सबसे खतरनाक पहलू यह है कि इनमें से कई अनाधिकृत वाहनों में अवैध एलपीजी गैस किट फिट कराई गई है। पेट्रोल और डीजल के महंगे दामों से बचने के लिए वैन चालकों द्वारा बिना किसी प्रशिक्षित व्यक्ति या मैकेनिक के जुगाड़ से गैस किट लगवाई जा रही है, जो कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकती है। खास यह है कि इनमें से करीब 400 स्कूली वैन इस तरह की जानलेवा अवैध गैस किट पर चल रही हैं।

वैन से रजिस्ट्रेशन नंबर तक गायब

सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेहद कड़े निर्देश और गाइडलाइन तय किए हैं। लेकिन आरटीओ की लापरवाही से निजी वैन चालक बेलगाम हैं। वे खुलेआम नियमों और गाइडलाइन की धजियां उड़ा रहे हैं। इन निजी वाहनों में बच्चों की सुरक्षा के लिए जरूरी पैनिंग बटन और फर्स्ट एड बॉक्स तो दूर, कई चालकों के पास गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन, फिटनेस, बीमा और पीयूसी जैसे अनिवार्य दस्तावेज तक नहीं हैं। जो वैन वर्षों पहले सड़क से बाहर होनी थी, उनमें भी बच्चों को ढोया जा रहा है। इसके अलावा

मैजिक ऑटो और अन्य जर्जर वाहन भी इस अवैध रेस में शामिल हैं, जिनकी संख्या शहर में 800 से अधिक है। खास यह है कि इस मामले पर भी परिवहन विभाग के अधिकारी हमेशा की तरह समय-समय पर कार्रवाई वही पुराना राग अलाप कर खानापूर्ति कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि मुख्य सड़कों पर खुलेआम घूम रहे इन अनफिट वाहनों पर न तो ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई करती है और न ही परिवहन विभाग। ऐसे में सवाल है कि कार्रवाई करेगा कौन?

स्कूल संचालक और विभाग की कोई जिम्मेदार नहीं?

परिवहन विभाग की जिम्मेदारी से इतर स्कूल संचालक और शिक्षा विभाग की भी कम जिम्मेदारी नहीं है। शिक्षा विभाग हर बार परिवहन विभाग पर कार्रवाई करने का ठीकरा फोड़ता है। लेकिन खुद स्कूल संचालकों की नकेल नहीं कस रहा। जानकारों की मानें तो स्कूल संचालक स्कूली शिक्षा विभाग के अधीन हैं। उनके स्कूलों के बच्चों को घर से लाने-ले-जाने वाली वैन में सुरक्षा पुख्ता करना स्कूल संचालकों की भी जिम्मेदारी है। स्कूली शिक्षा विभाग ने ऐसे स्कूल संचालकों पर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। न ही औचक निरीक्षण कर ऐसी वैनों का मुआयना ही किया है। दूसरी तरफ, स्कूल संचालक भी अपनी जिम्मेदारी से साफ मुकर चुके हैं। उनका कहना है कि उनकी जवाबदेही उन्हीं वाहनों तक है जो स्कूल प्रबंधन द्वारा संचालित हैं।



पहली परीक्षा की पास, फिजिकल में धराया आरोपी जेल प्रहरी की नौकरी पाने के लिए लगाया फर्जी प्रमाण-पत्र, गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा में होमगार्ड सेवा का फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी पाने की कोशिश करने वाले युवक के खिलाफ रातीबड़ पुलिस ने जालसाजी का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी ने शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान राजगढ़ जिले में होमगार्ड के रूप में सेवा देने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था। जेल विभाग की ओर से कराए गए सत्यापन में प्रमाण पत्र फर्जी पाया गया। अब पुलिस संबंधित दस्तावेजों की जांच के लिए उन्हें पुलिस मुख्यालय की क्यूडी शाखा भेजने की तैयारी कर रही है।

रातीबड़ थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा के अनुसार, जेल प्रहरी भर्ती प्रक्रिया में प्रस्तुत प्रमाण पत्र को लेकर जेल विभाग ने जांच कराई थी। इस संबंध में छतरपुर के सहायक जेल अधीक्षक मनीष त्यागी ने जांच रिपोर्ट सौंपी। प्रारंभिक विवेचना और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुष्पेंद्र सिंह

ऐसे खुली पोल...सत्यापन के लिए संपर्क किया तो प्लाटून कमांडर ने बताया-दस्तावेज जारी नहीं किए

जेल विभाग ने जब दस्तावेज के सत्यापन के लिए राजगढ़ होमगार्ड कार्यालय से संपर्क किया, तो प्लाटून कमांडर रंजीत सिंह भिलाला ने स्पष्ट किया कि प्रमाण पत्र उनके कार्यालय से जारी नहीं किया गया था। इसके बाद रातीबड़ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की।

गांधीनगर में पकड़ाई थी कीडीनयुक्त कफ सिरप नशीली कफ सिरप के सप्लायर को एसटीएफ ने देहरादून से दबोचा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एसटीएफ पुलिस ने नशीले कफ सिरप की अवैध सप्लाई के मामले में फरार आरोपी अभिषेक निगम को देहरादून से गिरफ्तार किया है। आरोपी 30 मई को भोपाल के गांधीनगर थाना क्षेत्र के पटेल सिटी में पकड़ी गई नशीले कफ सिरप की फैक्ट्री के मामले में फरार था। फिलहाल पुलिस रिमांड पर उससे पूछताछ की जा रही है। एसटीएफ के मुताबिक 30 मई को पटेल सिटी गांधीनगर स्थित फैक्ट्री पर कार्रवाई के दौरान कोडीनयुक्त कफ सिरप की 74 हजार 104 बोतलें बरामद की गई थी। इनमें ऑनरेक्स और ऑफकफ ब्रांड के सिरप शामिल थे। ये सिरप भोपाल समेत प्रदेश के अन्य शहरों में खपाई जा रही थी। एसटीएफ ने जांच की तो

अभिषेक पर घोषित था 20 हजार का इनाम

आरोपी अभिषेक निगम रोवा के कटरा तलैया का रहने वाला है। एसटीएफ की कार्रवाई के बाद वह रोवा से फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए 20 हजार का इनाम घोषित किया था। एसटीएफ उसकी तलाश में थी। इस मामले में अब तक 25 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है।

कसौटियों पर खरा उतरा हमीदिया, एनएबीएच ने दी मान्यता

भोपाल। उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं की कसौटियों पर खरा उतरते हुए एक बार फिर हमीदिया अस्पताल एनएबीएच (नेशनल एक्सीडेंटेशन बोर्ड ऑफ हॉस्पिटल) का मान्यता प्रमाण पाने में सफल रहा है। सोमवार यहां को 3 सदस्यीय टीम ने सर्विलांस एसेसमेंट किया। जहां हर प्रबंध मरीजों की उपचार सेवाओं के अनुकूल पाया गया। हमीदिया चिकित्सालय के अनुसार एनएबीएच के 6 एडिशन मानकों के अनुरूप पुनः पूर्ण मान्यता प्राप्त हुई है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन ने बताया, एनएबीएच की 3 सदस्यीय संयुक्त टीम द्वारा सर्विलांस एसेसमेंट किया। एनएबीएच के नए 6 एडिशन मानकों के अनुरूप कई चिकित्सा सेवाओं, व्यवस्थाओं व गुणवत्ता का मूल्यांकन हुआ। इसमें अस्पताल खरा उतरा।

एमपी नगर थाने में केस दर्ज, आरोपी की हो रही तलाश

महिला वकील को भेजे अश्लील फोटो, समझाने पर भी नहीं माना

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एमजी नगर इलाके में एक महिला एडवोकेट को मोबाइल पर अश्लील फोटो भेजकर परेशान करने का मामला सामने आया है। महिला ने पहले आरोपी को समझाया देकर हरकत बंद करने को कहा, लेकिन इसके बावजूद उसने दोबारा अश्लील फोटो भेज दिए। परेशान होकर महिला ने पुलिस से शिकायत की। जांच के बाद एमपी नगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, महिला एडवोकेट के मोबाइल पर 6 अगस्त को अश्लील फोटो भेजे गए थे। इस हरकत से महिला असहज हो गई।

उन्होंने संबंधित व्यक्ति को समझाया देते हुए दोबारा ऐसा नहीं करने की हिदायत दी थी। वकील ने कई बार युवक को समझाया। इसके बावजूद आरोपी नहीं माना, वह लगातार अश्लील फोटो भेजकर उन्हें परेशान करता रहा। आखिरकार थक-हारकर महिला वकील ने एमपी नगर थाने में शिकायत कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस के सामने अड़चन यह है कि आरोपी की पहचान स्पष्ट नहीं है। उसके मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी जानकारी जुटा रही है। कॉल डिटेल और अन्य साक्ष्यों के जरिए आरोपी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर

मास्टर प्लान के ड्राफ्ट में दावा-भोपाल बनेगा देश का सबसे सुरक्षित शहर, एआई-ड्रोन व नए नियमों से सुरक्षा पुख्ता

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल को वर्ष 2047 तक आधुनिक, सुरक्षित और अपराधमुक्त महानगर के रूप में विकसित करने का दावा किया गया है। भोपाल मास्टर प्लान 2047 के ड्राफ्ट में इसके लिए कार्ययोजना शामिल की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शहर को आधिकारिक तौर पर सुरक्षित सिटी का दर्जा दिलाना है। दावा है कि यहां नागरिक पूरी तरह भयमुक्त वातावरण में रह सकेंगे। सुरक्षित शहर की यह परिकल्पना केवल पुलिस की गश्त तक सीमित नहीं रहेगी।

ड्राफ्ट में पहली बार सेफ सिटी के मद्देनजर कॉलोनियों में लगे सीसीटीवी कैमरों को सेंट्रलाइज्ड करने का प्रविधान किया गया है। सोसायटी पदाधिकारियों से सहमति के बाद कैमरों का एक्सेस पुलिस कंट्रोल रूम और स्मार्ट सिटी से जोड़ा जाएगा। ताकि

घटना और दुर्घटना के समय पुलिस को सीसीटीवी फुटेज देखने के लिए घर-घर चक्कर ना लगने पड़े। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत फुटेज देखकर एक्शन ले सके।

कैमरों को किया जाएगा सेंट्रलाइज्ड

सेफ सिटी के लिए आपदा प्रबंधन शेल्टर समेत आठ प्रमुख पैरामीटर तय किए गए हैं। इसके तहत प्रमुख स्थानों पर एआई आधारित सीसीटीवी, ड्रोन, अलार्म, कंट्रोल सेंटर और सदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट के लिए विशेष मोबाइल ऐप की व्यवस्था होगी। सुरक्षा का दायरा बढ़ाने के लिए निजी भवन और कॉलोनियों के गेट लगे कैमरों को पुलिस व प्रशासन के सेंट्रल सर्वर से जोड़ा जाएगा। संवेदनशील इलाकों में अत्याधुनिक हथियारों और बेहतर सुरक्षा उपकरणों से लैस पुलिस बल की तैनाती होगी। पाकों और भवनों में ऊंची दीवारों की जगह पारदर्शी

राजधानी भोपाल को वर्ष 2047 तक आधुनिक, सुरक्षित और अपराधमुक्त महानगर के रूप में विकसित करने का दावा किया गया है। भोपाल मास्टर प्लान 2047 के ड्राफ्ट में इसके लिए कार्ययोजना शामिल की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शहर को आधिकारिक तौर पर सुरक्षित सिटी का दर्जा दिलाना है। दावा है कि यहां नागरिक पूरी तरह भयमुक्त वातावरण में रह सकेंगे। सुरक्षित शहर की यह परिकल्पना केवल पुलिस की गश्त तक सीमित नहीं रहेगी।

ड्राफ्ट में पहली बार सेफ सिटी के मद्देनजर कॉलोनियों में लगे सीसीटीवी

नन्हे सपनों के बीच सीएम डॉ. मोहन यादव

मुस्कुराते चेहरे, मासूम आँखें और सुनहरे भविष्य के सपने! मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंडला जिले के टाटरी में स्कूल के नन्हे विद्यार्थियों के साथ समूह चित्र खिंचाकर बच्चों के बीच खुशियों के अनमोल पल साझा किए। बच्चों की खिलखिलाहट और मुख्यमंत्री का स्नेहिल अंदाज इस खुबसूरत तस्वीर को खास बना रहा है। ये नन्हे सितारे ही प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। शिक्षा, संस्कार और प्रोत्साहन से इनके सपनों को नई उड़ान मिलेगी। ऐसी आत्मीय मुलाकातें बच्चों के मन में नई उमंग, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा जगाती हैं।



2047 तक सुरक्षित भोपाल का लक्ष्य, हर गली पर रहेगी नजर

हर 50 हजार की आबादी पर फायर स्टेशन और आपदा राहत केंद्र बनाने की है योजना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल को वर्ष 2047 तक आधुनिक, सुरक्षित और नागरिकों के लिए भयुक्त महानगर बनाने की दिशा में भोपाल मास्टर प्लान 2047 के प्रारूप में सेफ सिटी की व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत शहर की सुरक्षा को केवल पुलिस की गश्त तक सीमित रखने के बजाय तकनीक, बेहतर शहरी नियोजन, यातायात प्रबंधन, अग्निशमन व्यवस्था और आपदा राहत सुविधाओं से जोड़ने की परिकल्पना की गई है। योजना के अनुसार, शहर के प्रमुख स्थानों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) आधारित कैमरे, ड्रोन और निगरानी तंत्र का उपयोग किया जाएगा। वहीं, कॉलोनियों और निजी परिसरों में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी पुलिस तथा स्मार्ट सिटी के केंद्रीय सर्वर से जोड़ने का प्रावधान किया गया है।

सेफ सिटी योजना का एक प्रमुख पहलू कॉलोनियों और निजी भवनों में लगे सीसीटीवी कैमरों को केंद्रीय निगरानी व्यवस्था से जोड़ना है। संबंधित सोसायटियों के पदाधिकारियों की सहमति के बाद इन कैमरों तक पहुंच पुलिस नियंत्रण कक्ष और स्मार्ट सिटी के निगरानी तंत्र को देने की योजना है। इससे किसी घटना या दुर्घटना के बाद पुलिस को फुटेज जुटाने के लिए अलग-अलग घरों और परिसरों में नहीं जाना पड़ेगा। जरूरत पड़ने पर संबंधित कैमरों की मदद से घटनास्थल की गतिविधियों की जानकारी लेकर तत्काल कार्रवाई करने में सहायता मिल सकेगी। इसके साथ ही संधिध गतिविधियों की सूचना देने के लिए विशेष मोबाइल अनुप्रयोग, अलार्म और नियंत्रण केंद्र विकसित करने की भी परिकल्पना है।

एआइ कैमरे, ड्रोन और केंद्रीकृत निगरानी तंत्र से मजबूत होगी सुरक्षा



सुरक्षा के आठ प्रमुख मानकों पर होगा काम

मास्टर प्लान के प्रारूप में सुरक्षित शहर के लिए आठ प्रमुख मानक निर्धारित किए गए हैं। इनमें प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर आधुनिक निगरानी व्यवस्था, संवेदनशील क्षेत्रों में बेहतर संसाधनों से लैस पुलिस बल की तैनाती और पार्कों तथा सार्वजनिक भवनों में सुरक्षित वातावरण तैयार करना शामिल है। पार्कों और भवनों के आसपास ऊंची दीवारों के स्थान पर पारदर्शी घेराबंदी, पर्याप्त सड़क प्रकाश व्यवस्था और सामाजिक निगरानी को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। इससे सार्वजनिक स्थानों पर गतिविधियों पर नजर रखने और सुरक्षा संबंधी जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है।

सड़क से सार्वजनिक परिवहन तक सुरक्षा

यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए सड़कों की उचित बनावट, नियंत्रित वाहन गति, डिवाइडर, यातायात संकेतक, मानक पैदल पार पथ और फुटपाथ जैसे प्रावधान शामिल हैं। बसों और मेट्रो में आधुनिक सुरक्षा उपकरण लगाने, चालक-परिचालकों को प्रशिक्षण देने तथा यात्रियों को अंतिम गंतव्य तक पहुंचने के बेहतर साधन उपलब्ध कराने की भी योजना है।

हर 50 हजार की आबादी पर अग्निशमन केंद्र

आगजनी और अन्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए व्यापक अग्निशमन प्रबंधन योजना तैयार करने का प्रस्ताव है। इसके तहत प्रत्येक 50 हजार की आबादी पर एक नए अग्निशमन केंद्र के निर्माण की परिकल्पना की गई है। वहीं, स्कूलों, महाविद्यालयों और सामुदायिक भवनों को भूकंपरोधी तथा बाढ़ से सुरक्षित राहत केंद्रों के रूप में विकसित करने की योजना है, ताकि आपदा के समय प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान और जरूरी सहायता मिल सके। नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के संयुक्त संचालक नीरज आनंद लिखार के अनुसार, सुरक्षित शहर के लिए आठ प्रमुख मानक तय किए गए हैं। कॉलोनियों में लगे सीसीटीवी कैमरों को केंद्रीय निगरानी तंत्र से जोड़ने का प्रावधान इस योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मास्टर प्लान के प्रारूप में शामिल इन प्रस्तावों का उद्देश्य भोपाल की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, तकनीक आधारित और आपात स्थितियों से निपटने में सक्षम बनाना है।

वन्यजीव संरक्षण पर भी की चर्चा

मोदी के 25 साल पर कैबिनेट का अभिनंदन संकल्प, सीएम ने गिनाई पीएम की उपलब्धियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर विशेष कैबिनेट का आयोजन किया। इस कैबिनेट में मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन पूरे होने पर अभिनंदन संकल्प पारित किया गया। इस विशेष कैबिनेट बैठक की मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की उपलब्धियां गिनाईं। इस अवसर पर चर्चा में उन्होंने वन्यजीव संरक्षण से लेकर प्रदेश में हुए बदलावों तक की चर्चा की। चीतों को लेकर उन्होंने कहा कि अब ऐसा लगता है, जैसे चीता हमारे घर का बच्चा हो। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि प्रदेश में 900 कानून खत्म किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें भी यह संख्या सुनकर विश्वास नहीं हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कूनों नेशनल पार्क से शुरू हुआ चीता प्रोजेक्ट अब गांधी सागर और वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व तक पहुंच गया है। प्रदेश में चीतों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है, जिनमें 38 का जन्म भारत में हुआ है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में जब चीतों की मौत होने लगी थी, तब चिंता हुई थी कि परियोजना सफल हो पाएगी या नहीं। उस समय उन्होंने बाबा महाकाल से चीतों की रक्षा के लिए प्रार्थना की थी। अब इनकी संख्या बढ़ने से खुशी होती है।

जीएसटी और महाकाल लोक पर हुआ काम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर मध्यप्रदेश मंत्री-परिषद ने सर्वसम्मति से अभिनंदन संकल्प पारित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक मोदी की यात्रा में गरीब कल्याण, डिजिटल तकनीक, राष्ट्रीय सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े कई काम हुए हैं। उन्होंने जीएसटी, यूपीआई, चंद्रयान मिशन, अनुच्छेद 370 हटाने, श्रीराम मंदिर और महाकाल लोक जैसी पहलों का उल्लेख किया।

निवेश और

विकास पर भी जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में सिंचाई, मेट्रो, रेल, ऊर्जा और औद्योगिक विकास की परियोजनाएं आगे बढ़ रही हैं। उनके अनुसार, ग्लोबल इन्वेस्टर्स सफिट-2025 में 30.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले थे। सरकार ने वर्ष 2047 तक विकसित मध्यप्रदेश बनाने का संकल्प दोहराया है।

‘चीते मध्यप्रदेश में जीते हैं’

मोहन यादव ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है। अब मध्यप्रदेश में तीन स्थानों पर चीते हैं और उन्हें देखकर आनंद आता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है और वन्यजीव संरक्षण में भी नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। कान्हा के सूपखार क्षेत्र में करीब 100 साल बाद जंगली भैंसों की वापसी की पहल भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कर्मचारियों ने देरी पर उठाए सवाल

स्कूल शिक्षा के 32 हजार शिक्षकों की पदोन्नति अटकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग के 32 हजार से अधिक शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया लंबित है, जबकि जनजातीय कार्य विभाग ने 264 उच्च श्रेणी शिक्षकों और प्रधानपाठकों को व्याख्याता के पद पर पदोन्नति दे दी है। इस अंतर को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों में नाराजगी है। शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश ने सवाल उठाया है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बावजूद विभाग में पदोन्नति के आदेश क्यों जारी नहीं हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में शिक्षकों की पदोन्नति को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग की अलग-अलग स्थिति का मुद्दा फिर चर्चा में है। संगठन का कहना है कि दोनों विभागों में समान योग्यता, अर्हता और सेवा शर्तों के आधार पर नियुक्त शिक्षकों को जनजातीय कार्य विभाग में पदोन्नति का लाभ मिल रहा है, जबकि स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक इससे वंचित हैं।

शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उषेंद्र कौशल ने कहा कि जनजातीय कार्य विभाग में पिछले कुछ महीनों में सहायक शिक्षक से उच्च श्रेणी शिक्षक और उच्च श्रेणी शिक्षक से व्याख्याता के पद पर पदोन्नतियां की जा चुकी हैं। इसके विपरीत, स्कूल शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षक, सहायक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक और उच्च श्रेणी शिक्षक की



उच्च पद का प्रभार, नियमित पदोन्नति नहीं

उपेन्द्र कौशल ने कहा कि करीब दो साल पहले उच्च पद का प्रभार संभालने वाले शिक्षकों को भी अब तक नियमित पदोन्नति के आदेश नहीं मिले हैं। लंबे समय से उच्च पद का दायित्व निभाने के बावजूद नियमित पदोन्नति का लाभ नहीं मिलना शिक्षकों के सेवा हितों से जुड़ा मुद्दा है। शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश ने शासन और स्कूल शिक्षा विभाग से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पर तत्काल निर्णय लेने की मांग की है।

पदोन्नति प्रक्रिया अब भी लंबित है। संगठन का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बावजूद स्कूल शिक्षा विभाग में पदोन्नति के आदेश जारी नहीं होना चिंता का विषय है। एक ही प्रदेश में कार्यरत शिक्षकों के लिए पदोन्नति की अलग-अलग स्थिति होने से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। संगठन ने सवाल उठाया कि जब दोनों विभागों में शिक्षकों की योग्यता और सेवा शर्तें समान हैं, तो पदोन्नति के अवसरों में अंतर क्यों है।

साइबर सुरक्षा मजबूत करने की तैयारी

अब अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए स्वदेशी मंच अनिवार्य, 45 दिन नहीं खोला तो बंद होगा खाता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार ने सरकारी ईमेल व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। साइबर हमलों और सरकारी सूचनाओं तक अनधिकृत पहुंच के खतरे को देखते हुए प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए स्वदेशी ईमेल मंच जोहो का उपयोग अनिवार्य करने की पहल की गई है। इस बदलाव का उद्देश्य सरकारी संचार व्यवस्था को सुरक्षित बनाना, संवेदनशील सूचनाओं की रक्षा करना और विदेशी तकनीकी सेवाओं पर निर्भरता कम करना है।

यह पहल केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की सरकारी डिजिटल संचार व्यवस्था को सुरक्षित बनाने की योजना से जुड़ी बताई जा रही है। भोपाल में मध्यप्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत सरकारी कामकाज से जुड़े आधिकारिक संदेश भेजने और प्राप्त करने के लिए निर्धारित ईमेल मंच का इस्तेमाल करना होगा। हालांकि, पुराने खातों को नई व्यवस्था में स्थानांतरित



हर खाते के लिए सालाना 2 हजार रुपये

नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को महीने में कम से कम एक बार अपनी सरकारी ईमेल आईडी खोलनी होगी। यदि कोई उपयोगकर्ता लगातार 45 दिनों तक अपने ईमेल खाते में प्रवेश नहीं करता है, तो सुरक्षा कारणों से उसका खाता स्वतः निष्क्रिय किया जा सकता है। इसका उद्देश्य लंबे समय से इस्तेमाल नहीं हो रहे खातों से जुड़े सुरक्षा जोखिमों को कम करना है। सरकार प्रत्येक ईमेल खाते के रखरखाव के लिए प्रति उपयोगकर्ता सालाना 2,000 रुपये सेवा शुल्क का भुगतान करेगी। इसके बदले अधिकारियों को अलग ईमेल खाता और सुरक्षित ऑफिस भंडारण की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था बताई गई है।

करने और सभी विभागों में इसे पूरी तरह लागू करने की विस्तृत प्रक्रिया संबंधित दिशा-निर्देशों पर निर्भर करेगी।

नगरीय विकास आयुक्त ने तैयारियों की समीक्षा कर व्यवस्थाएं पूरी करने के लिए निर्देश

इंदौर में 28 अक्टूबर को जुटेंगे शहरी विकास के विशेषज्ञ, भविष्य के शहरों की बनेगी रूपरेखा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के शहरों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने और नागरिकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में 28 अक्टूबर को इंदौर में अर्बन कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के शहरी विकास विशेषज्ञ, उद्योगपति, निवेशक और नीतिगत संस्थाओं के प्रतिनिधि जुटेंगे। सम्मेलन में शहरों के सुनियोजित विस्तार, आधुनिक विकास मॉडल, तकनीक के

उपयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य प्रदेश के शहरी परिदृश्य को नई दिशा देना और विकास की ऐसी रूपरेखा तैयार करना है, जो भविष्य की आवश्यकताओं के साथ तालमेल बैठा सके।

आयोजन की तैयारियों को लेकर नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोडवे ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कार्यक्रम के सुचारु संचालन, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और व्यवस्थागत तैयारियों की समीक्षा की।



मेट्रो एंकर

केंद्रीय मंत्री ने कलेक्टर को किया सम्मानित; गेहूं-उड़द का रकबा भी बढ़ा

धन-धान्य कृषि योजना में टीकमगढ़ जिले को मिला सम्मान

टीकमगढ़, दोपहर मेट्रो

टीकमगढ़ जिले को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़े प्रदर्शन संकेतकों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली के एनएसएससी कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय को सम्मानित किया। योजना का एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पांच जिलों के कलेक्टरों को सम्मान मिला। टीकमगढ़ के अलावा उमरिया, सीधी, शहडोल और डिंडोरी जिले के कलेक्टरों को भी सम्मानित किया गया। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने बताया कि भारत सरकार चयनित जिलों की डीडीकेवाई डैशबोर्ड पर दर्ज प्राप्ति की



नियमित मासिक समीक्षा करती है। योजना के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों का चयन किया गया है।

दो साल में 80 हजार मीट्रिक टन बढ़ा गेहूं उत्पादन- टीकमगढ़ में

कृषि उत्पादन के आंकड़ों में भी सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2023-24 में जिले में गेहूं का उत्पादन 6.12 लाख मीट्रिक टन था, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 6.92 लाख मीट्रिक टन हो गया। इस अवधि में गेहूं की खेती का रकबा भी 2.08 लाख हेक्टेयर से

मत्स्य पालन के क्षेत्र में 461 इकाइयों के लक्ष्य के मुकाबले 529 इकाइयों दर्ज की गईं। प्राकृतिक खेती से 5,225 किसान 2,090 हेक्टेयर क्षेत्र में जुड़े हैं, जबकि जैविक खेती करने वाले किसानों की संख्या 1,983 है। सहकारिता क्षेत्र में जिले की सभी 64 प्राथमिक कृषि साख सहकारी

बढ़कर 2.22 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया। खरीफ फसलों में लक्ष्य से आगे रहा जिला- जिले में खरीफ फसलों का कुल क्षेत्रफल 2,30,810 हेक्टेयर दर्ज किया गया, जबकि लक्ष्य 2,30,800 हेक्टेयर था। उड़द की

समितियों में कंप्यूटर हार्डवेयर, इंटरनेट और ई-पैक्स से जुड़ी व्यवस्थाएं पूरी की गईं। इसके अलावा महिला किसान उत्पादक कंपनी के माध्यम से 1,200 महिलाएं भी जुड़ी हैं। इन उपलब्धियों को जिले के कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़े प्रदर्शन का हिस्सा माना गया है।

सरकारी ईमेल पते पहले जैसे ही रहेंगे

इस बदलाव में अधिकारियों के सरकारी ईमेल पते के अंत में लगने वाले आधिकारिक नाम में परिवर्तन नहीं होगा। बदलाव मुख्य रूप से ईमेल व्यवस्था के पीछे काम करने वाली तकनीक और सर्वर संचालन में किया जाएगा। जोहो भारत की सॉफ्टवेयर कंपनी है। इस व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी ऑफिसों की सुरक्षा मजबूत करना और संवेदनशील सूचनाओं पर बेहतर नियंत्रण सुनिश्चित करना है। नई प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन से सरकारी विभागों में डिजिटल संचार की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

विकास का शोर जितना ऊंचा होता जा रहा है, उसकी जमीनी हकीकत की पड़ताल उतनी ही जरूरी है। चेन्नई में 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे के विस्तार की महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्हें परिवहन, उद्योग, निर्यात और रोजगार की संभावनाओं से जोड़ा है। लेकिन सवाल है कि विकास का मूल्यांकन निवेश की विशाल राशि और मंचों से किए गए दावों से होगा या आम आदमी की जिंदगी में आए बदलाव से? देश को आधुनिक सड़कें, मेट्रो रेल,

मजबूत बंदरगाह और औद्योगिक ढांचा चाहिए। लेकिन विकास की सफलता निर्माण की भव्यता से तय नहीं होती। यदि चमचमाती परियोजनाओं के बीच नागरिक परिवहन की परेशानियों से जुड़ें, युवा रोजगार के लिए भटकें और छोटे कारोबारियों तक आर्थिक विस्तार का लाभ न पहुंचे, तो निवेश के आंकड़े सफलता का प्रमाण नहीं बन सकते। सरकारों की उपलब्धि परियोजनाओं की कीमत से नहीं, जनता को मिली राहत से मापी जानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 11 गुना से अधिक और रक्षा निर्यात में 50 गुना वृद्धि का

चमक और कसौटी

उल्लेख किया। ये आंकड़े औद्योगिक विस्तार का संकेत हैं, लेकिन सवाल भी उल्टे पड़े हैं। इस प्रगति से कितने टिकाऊ रोजगार पैदा हुए? स्थानीय युवाओं और छोटे उद्योगों को कितना लाभ मिला? निर्यात बढ़ना उपलब्धि है, लेकिन उसका फायदा समाज के व्यापक हिस्से तक पहुंचना ही आर्थिक विकास की असली कसौटी है। शहरीकरण को अवसर मानने की प्रधानमंत्री की बात सही है, लेकिन शहर केवल इलाहबाद और मेट्रो से नहीं बसते। स्वच्छ हवा, पर्याप्त पानी, किफायती आवास, सार्वजनिक परिवहन और

प्रभावी नागरिक सेवाएं भी जरूरी हैं। पांच शहरों से 25 शहरों तक मेट्रो सेवाओं का विस्तार महत्वपूर्ण है, मगर हर शहर की समस्याएं अलग हैं। आधुनिकता के नाम पर बुनियादी जरूरतों की अनदेखी नहीं हो सकती। राज्यों के विकास से देश के विकास का मंत्र तभी सार्थक होगा, जब योजनाएं स्थानीय जरूरतों के अनुरूप बनें और केंद्र-राज्य सहयोग राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठे। परियोजनाओं की समयसीमा, लागत, रोजगार सृजन और जनहित पर जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। विकास घोषणाओं का उत्सव नहीं, जवाबदेही का अनुशासन है।

महिलाओं की भूमिका में व्यापक परिवर्तन... नई आवाज बनती भारतीय लड़कियां



राज कुमार सिन्हा
रतभकार

परंपरागत रूप से, महिलाएं घरेलू क्षेत्र तक अपने को सीमित रखती हैं, जिसमें पत्नी, मां और गृहिणी के रूप में उनकी भूमिकाओं पर बल दिया जाता है। परन्तु भारत में महिलाओं की भूमिका में व्यापक परिवर्तन देखा जा रहा है। हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए दो बड़े विरोध प्रदर्शनों, जुलाई 2026 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मंद प्रधान के खिलाफ और अक्टूबर 2026 में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भारतीय छात्र राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में लड़कियों और महिलाओं की भूमिका का एक नया खाका तैयार किया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्र संगठनों के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री धर्मेद प्रधान के इस्तीफे के लिए चले लगभग एक महीने के लंबे आंदोलन में लड़कियों ने वैचारिक और जमीनी दोनों स्तरों पर कमान संभाली थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने इस आंदोलन को रेखांकित करते हुए लिखा है कि छात्राओं ने कमजोर समझे जाने वाले मुद्दों को तोड़कर खुद को आंदोलन के मोर्चे पर स्थापित किया है।मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे हालिया प्रदर्शनों के दौरान महिलाओं की भागीदारी और उनके प्रति पुलिसिया रवये ने व्यवस्था के एक अलग पहलू को सामने लाया है। आंदोलनकारी छात्राओं ने अपने साक्षात्कारों में यह स्पष्ट किया है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती मात्र से राज्य का रवैया संवेदनशील नहीं हो जाता है। उनके अनुसार, राज्य व्यवस्था का चरित्र पुरुष प्रधान ही रहता है, चाहे वर्दी पुरुष ने पहनी हो या महिला ने। जंतर-मंतर के ये हालिया घटनाक्रम दर्शाते हैं कि आधुनिक भारत में लड़कियां सिर्फ शैक्षणिक या आर्थिक सुधारों तक सीमित नहीं हैं। चाहे वह शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता का मुद्दा हो या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की शुचितता या चुनाव आयोग की जवाबदेही? का, देश की युवतियां राजनीतिक और संवैधानिक तंत्र को चुनौती देकर व्यवस्था परिवर्तन की सबसे मुखर आवाज बन चुकी हैं।



दूसरी ओर जनरेशन अल्फा की छात्राओं और छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था की जर्जर और अपर्याप्त स्थिति के खिलाफ एक अभूतपूर्व और बड़े स्तर पर विरोध संघर्ष छेड़ हुआ है।जेन जी के पेपर लोक आंदोलनों से प्रेरणा लेकर स्कूली बच्चे सीधे सड़कों पर उतरकर व्यवस्था से जवाबदेही मांग रहे हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को बुनियादी अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है, जिससे लेकर देशव्यापी आंदोलन खड़ा हुआ है। यह असंतोष केवल भारत तक सीमित नहीं है। फ्रांस में भी मैक्री सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ जेन अल्फा के स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे हैं। वहां छात्राओं की मांग है कि कक्षाओं में भीड़ कम की जाए, जर्जर इमारतों की मरम्मत हो और लंबे स्कूल समय (स्कूल ऑवर) की समीक्षा की जाए क्योंकि पढ़ाई का दबाव उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इतिहास और वर्तमान दोनों इस बात का गवाह है कि सड़कों पर व्यवस्था परिवर्तन की अलख जगाने वाली युवा लड़कियां आगे चलकर देश और दुनिया की नीतियां तय करने वाली शीर्ष राजनीतिक नेता बनी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके कुछ सबसे सशक्त उदाहरण हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्देन ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत युवावस्था में एक सामाजिक कार्यकर्ता और लेबर पार्टी के युवा विंग के सदस्य के रूप में की थी। उन्होंने मानवाधिकारों, बाल गरीबी और पर्यावरण के मुद्दों पर आंदोलनों में भाग लिया। युवावस्था में जमीनी मुद्दों पर सक्रियता के कारण ही वह मात्र 37 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे युवा महिला राष्ट्रध्यक्षों में से एक बनीं। चिली में 2011 और 2019 के बड़े



मनोज 'निडर'
अधिकारों के अनुपालन में, जब तक बंदरबोँट रही। जनहित वाली धाराओं को, अब तक दीमक चाट रही। नंगे पाँव भटकती फिरती, कोर्ट-कचहरी-थाने में, गांधी वाली आजादी को, खादी-लाठी डौंट रही। सुविधाओं के बँटवारे में, तख्त-गलीचे लुट लिए, 'जन गण मन' के हिस्से में बस, टूटी-फूटी खाट रही। लोकतंत्र के खूँटें को तो, खटमल-पिस्सू चूस रहे, संविधान के संशोधन में, मन के माफिक छौंट रही। सच्चाई के हक्क में पाली, या जेलों की तन्हाई, अवसरवादी चौपालें भी, शाही फीते काट रही।



हेल्थ - अलर्ट
स्तन कैंसर का नाम सुनते ही सबसे पहले गाँठ का ख्याल आता है। आमतौर पर माना जाता है कि स्तन में गाँठ या दर्द होने पर ही कैंसर की आशंका होती है। लेकिन यह धारणा पूरी तरह सही नहीं है। शुरुआती अवस्था में स्तन कैंसर कई बार बिना किसी स्पष्ट गाँठ या दर्द के भी हो सकता है। ऐसे में केवल गाँठ महसूस न होने के आधार पर बीमारी की आशंका को खारिज करना ठीक नहीं है। चिकित्सकों के अनुसार, कुछ मामलों में कैंसर का पता नियमित जांच



के दौरान मैमोग्राफी से चलता है, जबकि महिला को स्वयं कोई बदलाव महसूस नहीं होता। फरीदाबाद के सर्वोदय अस्पताल में मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रक्त संबंधी कैंसर और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण विभाग के प्रमुख डॉ. विष्णु हरी के अनुसार, स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए केवल गाँठ या दर्द पर निर्भर नहीं रहना

के दौरान मैमोग्राफी से चलता है, जबकि महिला को स्वयं कोई बदलाव महसूस नहीं होता। फरीदाबाद के सर्वोदय अस्पताल में मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रक्त संबंधी कैंसर और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण विभाग के प्रमुख डॉ. विष्णु हरी के अनुसार, स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए केवल गाँठ या दर्द पर निर्भर नहीं रहना

चाहिए। स्तन के आकार, त्वचा और निप्पल में होने वाले बदलाव भी महत्वपूर्ण संकेत हो सकते हैं। स्तन में नई गाँठ महसूस होना चिकित्सकीय जांच कराने का प्रमुख कारण है। हालाँकि, इसके अलावा भी कुछ संकेतों पर ध्यान देना जरूरी है। इनमें एक स्तन के आकार या बनावट में नया बदलाव, त्वचा पर गड्ढे पड़ना, त्वचा का मोटा होना या सिकुड़ना और निप्पल की स्थिति में बदलाव शामिल हैं। दर्द न होना खतरे को नकारता नहीं: स्तन कैंसर से जुड़ी एक आम गलतफहमी यह है कि कैंसर होने पर

दर्द जरूर होगा। वास्तव में, शुरुआती अवस्था के कई स्तन कैंसर दर्द पैदा नहीं करते। दूसरी ओर, स्तन में दर्द हार्मोनल बदलाव या अन्य सामान्य स्थितियों के कारण भी हो सकता है। इसलिए दर्द होने या न होना, अकेले कैंसर की पहचान का आधार नहीं बन सकता। यदि स्तन में कोई नया बदलाव दिखाई दे और वह लगातार बना रहे, तो दर्द होना का इंतजार नहीं करना चाहिए। बिना स्पष्ट कारण के लगातार दर्द होने पर भी चिकित्सक से सलाह लेना उचित है, विशेषकर जब उसके साथ कोई दूसरा बदलाव भी दिखाई दे।

वायरल कटेंट

सर्दियों के मौसम में स्कूटर चलाने वाले कर्मचारियों को बॉस ने दीं BMW कारें

आमतौर पर कर्मचारी अपने मालिक से वेतन बढ़ाने, बोनस या छुट्टी की उम्मीद करते हैं, लेकिन एक महिला कारोबारी ने अपने कर्मचारियों को ऐसा तोहफा दिया, जिसकी कल्पना करना भी उनके लिए मुश्किल था। कड़ाके की ठंड में इलेक्ट्रिक स्कूटर से काम पर आने वाले अपने दो कर्मचारियों को उन्होंने करीब 43-43 लाख रुपये की नई बीएमडब्ल्यू कारों उपहार में दे दीं। इस अनोखे फैसले की कहानी अब चर्चा में है। यह मामला चीन के हेनान प्रांत के जियाओजुओ शहर का है। यहां बीफ हॉटपॉट रेस्तरां की शृंखला चलाने वाली कारोबारी मा यानली ने अपने दो मेहनती कर्मचारियों को यह महंगा उपहार दिया। खास बात यह है कि उन्होंने कर्मचारियों को कार देने के लिए किसी प्रतियोगिता या सार्वजनिक आयोजन का सहारा नहीं लिया, बल्कि उनकी रोजमर्रा की परेशानी देखकर यह फैसला किया।

कर्मचारी की हालत देखकर आया विचार:

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, मा यानली की कर्मचारी ली जी लगभग आठ साल से उनके साथ काम कर रही हैं। वह रोज इलेक्ट्रिक स्कूटर से रेस्तरां पहुंचती थीं। पिछले साल सर्दियों में एक दिन ली जब ठंडी हवाओं का सामना करते हुए काम पर पहुंचीं, तो उनका चेहरा लाल था, कान ठंड से बैंगनी पड़ गए थे और हाथ अकड़ रहे थे। कर्मचारी की यह हालत देखकर मा यानली को महसूस हुआ कि वह खुद कार में आराम से सफर करती हैं, जबकि उनके कर्मचारी खराब मौसम में भी दोपहिया वाहन से काम पर पहुंचते हैं। इसी अनुभव ने उनके मन में कर्मचारियों को कार देने का विचार पैदा किया।

बैठक के बहाने पहुंचाया शोरूम: मा यानली ने अपने इस विचार को हकीकत में बदलने की तैयारी की। 24 सितंबर को वह कुछ कर्मचारियों को एक बैठक में शामिल होना का बहाना बनाकर बीएमडब्ल्यू के शोरूम ले गईं। कर्मचारियों को इस बात का अंदाजा नहीं था कि वहां उनके लिए इतना बड़ा सरप्राइज इंतजार कर रहा है।

देश में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार तकनीकी मदद ले रही है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की सहायता से केवल राष्ट्रीय राजमार्गों ही नहीं, बल्कि राज्य और स्थानीय सड़कों पर भी दुर्घटनाओं की आशंका वाले क्षेत्रों की पहचान करने की तैयारी है। इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट यानी ई-डीएआर प्रणाली का इस्तेमाल बढ़ाया जाएगा। इस व्यवस्था से अधिकारियों को यह समझने में मदद मिलेगी कि हादसे किन स्थानों पर, किन परिस्थितियों में और किन कारणों से हो रहे हैं। इसके आधार पर सड़क सुरक्षा में सुधार के कदम उठाए जा सकेंगे।

हर साल बढ़ रहे हादसे और मौतें: सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में देशभर में 4,87,707 सड़क हादसे दर्ज किए गए। इनमें 1,77,175 लोगों की जान चली गई। वर्ष 2023 में 4,80,583 दुर्घटनाओं में 1,72,890 लोगों की मौत हुई थी। ये आंकड़े बताते हैं कि सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी उपायों की जरूरत बनी हुई है। हादसों की संख्या कम करने के लिए केवल दुर्घटना के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है।

यह समझना भी जरूरी है कि सड़क के किन हिस्सों पर बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं और उनके पीछे क्या कारण हैं। ई-डीएआर प्रणाली सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित जानकारीयों को एकत्र करने और उनका विश्लेषण करने में मदद करती है। एआई की सहायता से इन आंकड़ों में ऐसे स्थानों और क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है, जहां बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं।

राज्यों को भी मिलेंगे तकनीकी मंच: गुजरात के एकता नगर में आयोजित चिंतन शिबिर 2026 में केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ इन तकनीकी व्यवस्थाओं के विस्तार पर चर्चा की। प्रस्ताव के तहत पीएम गतिशक्ति, डेटा लेक, ई-डीएआर, ठेकेदार मूल्यांकन प्रणाली और भूमि राशि जैसे मंच राज्यों के लिए उपलब्ध कराने पर विचार किया गया।

इन व्यवस्थाओं से सड़क निर्माण, भूमि अधिग्रहण, परियोजना प्रबंधन और दुर्घटना विश्लेषण से जुड़ी जानकारीयों को बेहतर ढंग से इस्तेमाल करने में मदद मिल सकती है। केंद्र ने राज्यों को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में इस्तेमाल होने वाले निर्माण और वित्तपोषण के कुछ मॉडलों को राज्य राजमार्गों तथा एक्सप्रेसवे में अपनाने का सुझाव भी दिया है।

न गांठ, न दर्द, फिर भी हो सकता है स्तन कैंसर, संकेतों को पहचानें

टेक्नो अपडेट

AI बताएगा सड़क हादसों की वजह, खतरनाक रास्तों पर रखी जाएगी खास निगरानी

देश में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार तकनीकी मदद ले रही है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की सहायता से केवल राष्ट्रीय राजमार्गों ही नहीं, बल्कि राज्य और स्थानीय सड़कों पर भी दुर्घटनाओं की आशंका वाले क्षेत्रों की पहचान करने की तैयारी है। इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट यानी ई-डीएआर प्रणाली का इस्तेमाल बढ़ाया जाएगा। इस व्यवस्था से अधिकारियों को यह समझने में मदद मिलेगी कि हादसे किन स्थानों पर, किन परिस्थितियों में और किन कारणों से हो रहे हैं। इसके आधार पर सड़क सुरक्षा में सुधार के कदम उठाए जा सकेंगे।

यह समझना भी जरूरी है कि सड़क के किन हिस्सों पर बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं और उनके पीछे क्या कारण हैं। ई-डीएआर प्रणाली सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित जानकारीयों को एकत्र करने और उनका विश्लेषण करने में मदद करती है। एआई की सहायता से इन आंकड़ों में ऐसे स्थानों और क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है, जहां बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं।

राज्यों को भी मिलेंगे तकनीकी मंच: गुजरात के एकता नगर में आयोजित चिंतन शिबिर 2026 में केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ इन तकनीकी व्यवस्थाओं के विस्तार पर चर्चा की। प्रस्ताव के तहत पीएम गतिशक्ति, डेटा लेक, ई-डीएआर, ठेकेदार मूल्यांकन प्रणाली और भूमि राशि जैसे मंच राज्यों के लिए उपलब्ध कराने पर विचार किया गया।

इन व्यवस्थाओं से सड़क निर्माण, भूमि अधिग्रहण, परियोजना प्रबंधन और दुर्घटना विश्लेषण से जुड़ी जानकारीयों को बेहतर ढंग से इस्तेमाल करने में मदद मिल सकती है। केंद्र ने राज्यों को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में इस्तेमाल होने वाले निर्माण और वित्तपोषण के कुछ मॉडलों को राज्य राजमार्गों तथा एक्सप्रेसवे में अपनाने का सुझाव भी दिया है।

न्यूज विंडो

पीथमपुर में चाकू लेकर घूम रहा युवक पकड़ाया, डराने-धमकाने का आरोप



धार। नवरात्रि पर्व के महेनजर सुरक्षा व्यवस्था के तहत चलाए जा रहे चेकिंग अभियान में पीथमपुर सेक्टर-1 पुलिस ने सांवित्री मंदिर के पास धारदार खटकेदार चाकू लेकर घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मयंक राजपूत निवासी देव श्री कॉलोनी, पीथमपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी चाकू से आमजन को डराने-धमकाने का प्रयास कर रहा था। उसके पास हथियार रखने का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से स्टील का धारदार खटकेदार चाकू जब्त किया है। मामले में थाना सेक्टर-1 पीथमपुर में अपराध क्रमांक 600/26 के तहत आयुध अधिनियम की धारा 25(2) में प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक अनिल द्विवेदी और विशाल भदकारे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बेटी के जन्म की खुशी में अभय खटीक ने अस्पताल में सभी को खिलाई मिठाई



तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी अभय खटीक के घर सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 को खुशियों ने दस्तक दी। उनकी पत्नी राधिका ने एक सुंदर बच्ची को जन्म दिया। घर में नन्ही परी के आगमन से परिवार में खुशी का माहौल है। बेटी के जन्म से उत्साहित अभय खटीक ने खुशी जाहिर करने के लिए दो डिब्बे मिठाई खरीदी और अस्पताल में आने-जाने वाले लोगों, मरीजों, डॉक्टरों तथा परिजनों को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी साझा की। उनके इस व्यवहार ने अस्पताल में मौजूद लोगों के चेहरों पर भी मुस्कान ला दी। आज के दौर में जहां कई जगह बेटे के जन्म को विशेष महत्व दिया जाता है, वहीं अभय खटीक ने बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाकर एक सकारात्मक संदेश दिया। बेटी और बेटे में भेदभाव किए बिना दोनों को समान सम्मान और प्यार देना ही एक अच्छे समाज की पहचान है। बेटी के जन्म की इस खुशी ने यह संदेश दिया कि बेटियां भी परिवार की खुशियों और गौरव का आधार हैं। नन्ही बच्ची के आगमन पर परिवार को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

इंदिरा कॉलोनी से चोरी की मोटर साइकल पुलिस ने पकड़ी, आरोपी को जेल भेजा



धार। राजगढ़ थाना पुलिस ने पल्सर मोटरसाइकिल चोरी के मामले में 21 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की बाइक बरामद कर ली है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। राहुल पिता कैलाश गाड़े ने राजगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात के समय अज्ञात व्यक्ति उनकी पल्सर मोटरसाइकिल चुराकर ले गया। शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (ब्रह्म) की धारा 303(2) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलापुरकर और एसडीओपी सरदारपुर विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी समीर पाटीदार के नेतृत्व में टीम बनाई गई। पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की बाइक के साथ एक संदिग्ध रिंगनोद क्षेत्र में मौजूद है। इसके बाद राजगढ़ थाना और रिंगनोद चौकी की टीम ने स्कूल मैदान के पास घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अजय (21), पिता धीरप अलावा, निवासी छड़ावद, ग्राम पंचायत काकड़वा, थाना टांडा बताया। पुलिस के अनुसार, उसने राजगढ़ की इंदिरा कॉलोनी से बाइक चोरी करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर पल्सर मोटरसाइकिल जब्त कर ली गई। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक सुनील राजपूत, प्रधान आरक्षक विपिन कटरा, सैनिक जगदीश कच्छवा, रिंगनोद चौकी प्रभारी आर.सी. डामोर और चौकी स्टाफ का योगदान रहा।

मेट्रो एंकर

संजय राय फोटोग्राफी के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में भी निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

समाज में अपनी धार्मिक पहचान बनाने पर संजय राय का सम्मान

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

समाज में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान न केवल उनके योगदान का अभिनंदन होता है, बल्कि यह समाज के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनता है। इसी उद्देश्य को आत्मसात करते हुए भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित शाखा स्तरीय समूहगान प्रतियोगिता-2026 के गरिमामय समारोह में नगर के वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर संजय राय को सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर परिषद एवं अतिथियों ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता: संजय राय की पहचान केवल एक कुशल फोटोग्राफर तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों में भी सक्रिय सहभागिता निभाते रहे हैं। विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं द्वारा उक्त कार्य और उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें अनेक बार सम्मानित किया जा चुका है। उनकी सक्रियता और समाज के प्रति समर्पण उन्हें एक बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में स्थापित करता है।

तारादेही रेंज प्रांगण में विधि-विधान से हुआ मां भगवती का भव्य आगमन, नौ दिनों तक होंगे धार्मिक आयोजन

बाइक रैली, डीजे और आतिशबाजी के साथ श्रद्धालुओं ने किया मां जगत जननी का स्वागत



तारादेही। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक के तारादेही ग्राम में शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरुआत भक्तिभाव और उत्साह के साथ हुई। नवरात्रि के प्रथम दिन समस्त दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं द्वारा मां भगवती की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। समनापुर से तारादेही रेंज प्रांगण तक करीब पांच किलोमीटर लंबी बाइक रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। डीजे पर माता रानी के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच आतिशबाजी करते हुए मां जगत जननी का भव्य आगमन कराया गया।

तारादेही रेंज प्रांगण पहुंचने के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कलश स्थापना की गई तथा ज्वारे बोए गए। ब्रह्म मुहूर्त से ही रेंज प्रांगण में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। पूजा-पाठ, घट स्थापना और मां की

आराधना के दौरान पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। नवरात्रि के साथ ही श्रद्धालुओं के व्रत-उपवास का क्रम भी शुरू हो गया है। अनेक श्रद्धालु नौ दिनों तक जूते-चप्पल का त्याग कर मां भगवती की आराधना करेंगे। नवरात्रि के प्रथम दिन मां दुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। तारादेही की सड़कें और प्रमुख स्थान आकर्षक विद्युत साज-सज्जा से जगमगा रहे हैं। रेंज प्रांगण में पूरे नौ दिनों तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

दुर्गा उत्सव समिति द्वारा नवरात्रि के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 20 अक्टूबर तक चलने वाले आयोजन में कनकतला से आए कलाकारों द्वारा प्रतिदिन रात 8 बजे से सुंदर रामलीला का मंचन किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान: जरूरतमंद विद्यार्थियों को बांटे स्कूल बैग

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत समाजसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक पहल करते हुए समाजसेवी कुंवर श्री विक्रांत सिंह जी द्वारा संचालित प्रयास शिक्षण एवं सामाजिक संगठन के माध्यम से शासकीय एकिकृत नवीन माध्यमिक शाला लोकीपार के लगभग 50 जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने की इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके शैक्षणिक उत्साह को बढ़ावा देना रहा। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में युवा समाजसेवी श्री कुँअर विक्रमादित्य सिंह पटेल (कृष्णा), समाजसेवी पंडित श्री शैलेन्द्र शर्मा, श्री केदार



पटेल एवं श्री मिलन शर्मा की उपस्थिति में विद्यार्थियों को स्कूल बैग प्रदान किए गए। बैग प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह दिखाई दिया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और समाज के सक्षम लोगों एवं सामाजिक संगठनों को जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

31 वर्ष पंचायत सेवा के बाद पेंशन के लिए संघर्ष 62 की उम्र में मजदूरी करने को मजबूर पूर्व सचिव

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायत डालसींग गौड़ में करीब 31 वर्षों तक पंचायत सचिव के पद पर सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हुए पूर्व पंचायत सचिव आज आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे हैं। शासन की सेवा में अपना लंबा समय देने के बावजूद सेवानिवृत्ति के बाद नियमित पेंशन की व्यवस्था नहीं होने से उनके सामने परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। 62 वर्ष की उम्र में उन्होंने मजदूरी तक करने को मजबूर होना पड़ रहा है। मामला सामने आने के बाद ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाने हुए सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डालसींग गौड़ की पंचायत में पंचायत सचिव के पद पर उनकी नियुक्ति दिसंबर 1995 में हुई थी। इसके बाद उन्होंने लगातार करीब 31 वर्षों तक पंचायत एवं शासन की



सेवा में कार्य किया। मई 2025 में सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद उनकी नियमित आय का कोई स्थायी साधन नहीं बचा। पेंशन की व्यवस्था नहीं होने के कारण परिवार के दैनिक खर्च और भरण-पोषण की जिम्मेदारी उनके लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। पूर्व सचिव का कहना है कि उम्र 62 वर्ष से अधिक हो चुकी है। इस उम्र में शारीरिक मेहनत करना आसान नहीं है, लेकिन परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए मजदूरी करना उनकी मजबूरी बन गया है। उन्होंने शासन से वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें। बताया गया कि पूर्व सचिव को सामाजिक सुरक्षा एवं वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत मिलने वाली 600 रुपये प्रतिमाह की पेंशन की पात्रता को लेकर भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जनसेवा के कार्यों में भी अग्रणी संजय राय

मिलन समिति के माध्यम से जनसेवा के कार्यों में भी निरंतर अपनी सहभागिता निभाते हैं। सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सेवा-भावना उनके व्यक्तित्व की महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं। फोटोग्राफी के माध्यम से समाज की गतिविधियों को अभिव्यक्त देने के साथ-साथ जनसेवा के क्षेत्र में उनकी सक्रियता सराहनीय है।

भारत विकास परिषद द्वारा किया गया उनका सम्मान

उनकी रचनात्मक प्रतिभा, कार्यनिष्ठा और सामाजिक योगदान का सम्मान है। परिषद की इस पहल को समाज में सकारात्मक कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सुबह 4 बजे से जल अर्पण करने पहुंचे श्रद्धालु, जयकारों से गुंजा नगर



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन सोमवार को नगर एवं क्षेत्र के देवी मंदिरों में मां ब्रह्मचारिणी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। नवरात्र प्रारंभ होते ही श्रद्धालुओं में देवी आराधना को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है। सुबह करीब 4 बजे से ही बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग देवी मंदिरों में पहुंचने लगे और माता को जल अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की।

नगर के तहसील परिसर स्थित खेरमाता मंदिर, पुगनी खेरमाता मंदिर, ज्वाला देवी मंदिर एवं महाकाली मंदिर सहित अन्य देवी स्थलों पर दिनभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए मंदिर पहुंचे और जल अर्पण के बाद पूजा-अर्चना कर देवी की आराधना में लीन नजर आए। नवरात्र के चलते पूरे नगर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है। धार्मिक



मान्यताओं के अनुसार मां ब्रह्मचारिणी माता पार्वती का अविवाहित स्वरूप है। उन्हें ज्ञान, तपस्या और वैराग्य की देवी माना जाता है। 'ब्रह्मचारिणी' का अर्थ है-तप का आचरण करने वाली। श्रद्धालु इस दिन मां की आराधना कर धैर्य, संयम, ज्ञान और आत्मबल की प्राप्ति की कामना करते हैं। इधर नगर के विभिन्न स्थानों पर देवी प्रतिमाओं की स्थापना की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। कई पंडालों में रविवार को मां की स्थापना की गई, जबकि कुछ स्थानों पर सोमवार तथा पंचमी के दिन विधि-विधान से प्रतिमा स्थापना की जाएगी। स्थापना से पहले पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है और आकर्षक साज-सज्जा का कार्य जारी है। नवरात्र को देखते हुए नगर परिषद द्वारा मुख्य मार्गों एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई के साथ विद्युत व्यवस्था भी दुरुस्त कराई गई है, ताकि श्रद्धालुओं को मंदिरों एवं देवी पंडालों तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

एनईपी 2020 एवं विकसित भारत 2047 पर महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

डिजिटल पोस्टर, वाद-विवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पैनल चर्चा में विद्यार्थियों ने बढ-चढकर लिया हिस्सा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं विकसित भारत 2047 के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर द्वारा किया गया। आयोजित गतिविधियों में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 की थीम एनईपी पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं शामिल रहें। इनमें '2047 में शिक्षा की परिकल्पना' विषय पर डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता, 'शिक्षा में एआई का प्रयोग' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत सांस्कृतिक एवं



कला संबंधी कार्यक्रम तथा 'भारत में शिक्षा का भविष्य' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता में सिद्धि सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में टीम-ए से शिवा लोधी एवं सिद्धि सोनी ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के छात्र-

छात्राओं ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग, भविष्य की शिक्षा व्यवस्था तथा विकसित भारत 2047 की संकल्पना से अवगत कराया गया।

दशहरा: रविवार को लगेगा तेंदूखेड़ा का साप्ताहिक बाजार



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

आगामी दशहरा पर्व को देखते हुए तेंदूखेड़ा नगर का प्रसिद्ध साप्ताहिक बाजार इस बार निर्धारित मंगलवार के बजाय रविवार को आयोजित किया जाएगा। दुकानदारों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए मंगलवार की जगह दो दिन पूर्व 18 अक्टूबर, रविवार को साप्ताहिक बाजार लगाने की सहमति दी है। इस संबंध में नगर के दुकानदारों ने नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सहमति एवं मांग पत्र सौंपकर बाजार की तारीख में बदलाव की जानकारी आमजन तक पहुंचाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार आगामी 20 अक्टूबर, मंगलवार को दशहरा मनाया जाएगा। पर्व को लेकर आयोजित शांति समिति की बैठक में मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार को उक्त विद्यालय मैदान में लगाने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, दुकानदारों का कहना है कि दशहरा पर्व के दिन बाजार लगाने अथवा बाजार का स्थान बदलने से छोटे व्यापारियों के व्यापार के साथ-साथ आमजन को भी असुविधा हो सकती है। दुकानदारों ने आपसी सहमति से निर्णय लिया कि इस बार मंगलवार के बजाय 18 अक्टूबर रविवार को ही साप्ताहिक बाजार लगाया जाए।

कार्यालय प्राचार्य सरदार वल्लभभाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, भोपाल

निविदा का संक्षिप्त विज्ञापन
क्रमांक/स.व.प./भंडार/ 2026/1990
भोपाल, दिनांक: 12/10/2026

सरदार वल्लभभाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय श्यामला हिल्स भोपाल द्वारा जेम पोर्टल के माध्यम से लैब इक्विपमेंट क्रय हेतु निविदा जारी की गई है। जारी निविदा में सम्मिलित होने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से पोर्टल पर दर्शित प्रक्रियानुसार निविदा में भाग ले सकते हैं। जारी की गई निविदा : GEM/2026/B/8097953

निविदा में कोई भी संशोधन (यदि किया जाता है तब) जेम पोर्टल में ही अपलोड किया जाएगा। उसका प्रकाशन पृथक से नहीं कराया जाएगा।
G-19937/26

प्राचार्य

नर्मदापुरम: चार पुलिस कर्मचारियों को सस्पेंड करने की मांग पर अड़े परिजन, देर रात मचा हंगामा

जुआ पकड़ने गई पुलिस की कार्रवाई के बाद युवक की मौत, परिजन बोले-बुरी तरह मारा



न्यूज विंडो

मोहासा में लूनेो रिन्यूएबल की यूनिट का भूमिपूजन, 2 हजार को मिलेगा रोजगार



नर्मदापुरम। मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार को लूनेो रिन्यूएबल लिमिटेड की 47 एकड़ में बनने वाली औद्योगिक इकाई का भूमिपूजन हुआ। यहां सोलर सेल, मॉड्यूल, इन्वर्टर और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम का उत्पादन होगा। एक साल में प्रमुख इकाइयां शुरू करने और पांच महीने में बैटरी यूनिट चालू करने की तैयारी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मोहासा को ग्रीन एनर्जी हब बनाने की बात कही। माखननगर क्षेत्र में आठ कंपनियों ने काम शुरू किया है, तीन में उत्पादन हो रहा है। विवेक बिंद्रा ने युवाओं के प्रशिक्षण, जबकि शुभम महिंद्रा ने हरिद्वार के 600 मेगावाट प्लांट की जानकारी दी। निदेशक तरुण गुलाटी मौजूद रहे।

60 कर्मचारी हो गए रिटायर, फिर भी कोई भर्ती नहीं, पार्षद को खुद ही उठानी पड़ी झाड़ू



इटारसी। नगरपालिका की सफाई व्यवस्था से परेशान वार्ड 16 के कांग्रेस पार्षद अमित कापरे ने अजय बचन कॉलोनी में खुद झाड़ू लगाकर व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि 2014 से 60 से अधिक सफाई कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं, जबकि शहर में 300 से अधिक कर्मचारियों की जरूरत है। वर्तमान में करीब 100 आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं। झाड़ू चार महीने और कचरा ठेलों की मरम्मत छह महीने तक अटकी रहती है। जलप्रदाय में दो इंच पाइप के लिए चार महीने इंतजार करना पड़ता है। पाइपलाइन लोकेज सुधारने में कापरे ने दो महीने में 4500 रुपए खर्च किए।

चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर बना चावरा कप 2026 का ओवरऑल चैंपियन



नरसिंहपुर। चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर ने भोपाल के सेंट पॉल को-एड स्कूल में आयोजित चावरा कप 2026 में ओवरऑल चैंपियन का खिताब हासिल किया। विद्यार्थियों ने उत्साह, अनुशासन, खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन किया। आयोजन के संयोजक फादर वर्गीज रहे। कार्यक्रम समन्वयक ऋचा कर्नोजिया, आयुष शर्मा और पवन चौधरी ने विद्यार्थियों की तैयारी एवं सहभागिता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा विद्यार्थियों के अथक परिश्रम से मिली इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फाइनेंस कंपनियों की गतिविधियों पर पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों में

अनूपपुर। जिले में संचालित बताई जा रही कुछ फाइनेंस एवं वित्तीय संस्थाओं की गतिविधियों को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व में प्रकाशित खबरों में जीएनएस, मोर, मध्य भारत सहित एक शेयर ट्रेडिंग कंपनी की गतिविधियों को लेकर संदेह बताया गया था। बताया गया कि इस संबंध में एसपी अनूपपुर और जिले के विभिन्न थानों तक सूचना पहुंचाई जा चुकी है। इसके बावजूद संबंधित गतिविधियों का स्वतः सत्यापन और प्रारंभिक जांच किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। प्रमुख प्रश्न यह है कि क्या पुलिस किसी व्यक्ति के थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने के बाद ही जांच शुरू करेगी, या पहले से मिली सूचनाओं के आधार पर भी पहल करेगी? बताया जा रहा है कि ऐसी गतिविधियों की समय रहते जानकारी जुटाने में पुलिस के सूचना एवं खुफिया तंत्र की भूमिका प्रभावी होनी चाहिए। लेकिन पूरा तंत्र लापरवाह बना हुआ है। हालांकि, अब तक संबंधित कंपनियों की गतिविधियों और आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में निष्पक्ष जांच के जरिए तथ्यों की पड़ताल और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई जरूरी है। प्रशासन का दावा है कि कार्रवाई की जाएगी।

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर के बालागंज क्षेत्र में जुआ पकड़ने गई पुलिस की कार्रवाई के दौरान नासिर की तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस पर मारपीट करने और तबीयत बिगड़ने के बाद नासिर को मौके पर छोड़कर चले जाने के आरोप लगाए। वहीं, पुलिस का कहना है कि जुआ फंड पर दबिश के दौरान पांच आरोपियों को पकड़ा गया था। फिलहाल, मौत

के कारणों और परिजनों के आरोपों की जांच की जा रही है। सोमवार रात 10:30 बजे परिजन नासिर का शव एंबुलेंस में रखकर सिटी कोतवाली थाने पहुंचे। उन्होंने एंबुलेंस सड़क पर खड़ी कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। परिजनों ने कार्रवाई में शामिल चार पुलिसकर्मियों को निर्लांबित करने की मांग की। रात करीब 12:30 बजे तक थाने के सामने सैकड़ों लोग जमा रहे। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया।

एसपी के आवासन पर माने

घटना की सूचना मिलने पर एसपी अभिषेक राजन, एसडीओपी जितेंद्र पाठक और सिटी कोतवाली टीआई गौरव सिंह बुंदेला मौके पर पहुंचे। एसपी ने परिजनों को आरोपों की जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल ले गए। एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया, जुआ फंड की सूचना पर पुलिस कार्रवाई करने पहुंची थी। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे। इस दौरान पांच लोगों को पकड़ा गया और मौके से 50 हजार रुपए

जब्त किए। पुलिस के अनुसार, नासिर पर जुआ, मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित कुल 18 अपराध दर्ज हैं। इनमें जुए के 11 मामले शामिल हैं।

परिजनों का आरोप-15 मिनट तक मौके पर पड़ा रहा....

परिजनों का आरोप है, पुलिसकर्मियों ने नासिर से मारपीट की और तबीयत बिगड़ने पर उसे मौके पर छोड़कर चले गए। नासिर 10 से 15 मिनट तक मौके पर पड़ा रहा। बाद में लोगों ने निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। बताते हैं, उसे पहले भी हार्ट अटैक आ चुका था।

कलेक्टर ने दिए निर्देश

‘स्कूलों की मरम्मत कराएं, अमानक खाद-बीज बेचने वालों पर एफआईआर करें’



नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को शासकीय स्कूलों में मरम्मत, रंग-रोगन, शौचालय और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। अमानक खाद-बीज बेचने और खाद की कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई कर ज़रूरत पड़ने पर एफआईआर दर्ज कराने को कहा। एसडीएम खाद-बीज वितरण का निरीक्षण करेंगे। झोलाछाप डॉक्टरों पर राजस्व विभाग और ड्रग इंस्पेक्टर के साथ छापामार कार्रवाई होगी। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की 50 दिन से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने, धान उपाजर्न की तैयारियां समय पर पूरी करने और स्वामित्व योजना के पंजीयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, सरकार सीएम हेल्पलाइन संबंधी शिकायतों में देरी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की तैयारियों की भी समीक्षा हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कारधानी में लोगों की बढ़ी परेशानी, व्यवस्था सुधरे तो मिले राहत

जबलपुर में ट्रैफिक सुधारने करोड़ों से बने फलाईओवर, इनके नीचे लग रहा जाम

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर शहर में यातायात को सुगम बनाने के लिए करोड़ों रुपए की लागत से फलाईओवर बनाए गए, लेकिन इनके नीचे और आसपास की सड़कों पर यातायात व्यवस्था अब भी चुनौती बनी हुई है। कहीं सर्विस रोड पर भारी वाहन मरम्मत के नाम पर कब्जा जमाए हैं, कहीं बसें मनमाने ढंग से यात्रियों को उतारती-बिठाती हैं, तो कहीं रांग साइड से फर्स्टा भरते वाहन मौत को न्योता दे रहे हैं। यातायात पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां 2023 से 2025 के बीच आठ लोगों की मौत हुई और 21 गंभीर दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। जनवरी से अगस्त 2026 तक भी दो लोगों की जान गई और चार गंभीर हादसे हुए। यानि चेतावनी बोर्ड, स्पीड ब्रेकर और कार्रवाई के बावजूद खतरा टला नहीं है। पुल के आसपास अतिक्रमण, अव्यवस्थित बस संचालन, भारी वाहनों की पार्किंग और रांग साइड आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण अब भी चुनौती है।



रिपोर्ट में नियंत्रण के इंतजाम भी बताए

रिपोर्ट में पाटन और कटंगी बायपास पर भी रोटरी, साइड रोड, रोशनी और अतिक्रमण नियंत्रण जैसे इंतजाम जरूरी बताए गए हैं। हादसों का हिसाब, इंतजाम अधूरे यातायात पुलिस की रिपोर्ट में अंधमूक बायपास पर चार प्रमुख समस्याएं चिह्नित की गई हैं। फलाईओवर और चौराहे के नीचे चाय-पान व फल के डेले लगते हैं। बाहर से आने वाली बसें पुल के पास यात्रियों को उतारती-बिठाती हैं। सर्विस रोड पर भारी वाहन मरम्मत के लिए खड़े रहते हैं और दोनों ओर रांग साइड आवाजाही

होती है। नो-एंट्री में मालवाहक वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह नहीं होना भी परेशानी बढ़ाता है। पुलिस ने स्पीड ब्रेकर बनवाए हैं, चेतावनी बोर्ड लगाए हैं और अनावश्यक खड़े वाहनों को हटाने की कार्रवाई की है। रोटरी का निर्माण भी कराया जा रहा है। इसके बाद भी अतिक्रमण हटाने, फ्लाईओवर से 500 मीटर तक आटो पार्ट्स की दुकानों-सर्विसिंग सेंटरों को हटाने, बसों के लिए पिकअप-ड्रॉप प्वाइंट बनाने, सिग्नल लगाने, चौकी बनाने और पार्किंग विकसित करने की बात है।

पुल बना, लेकिन सुरक्षित रास्ता नहीं

यातायात पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फलाईओवर निर्माण का उद्देश्य जाम घटाना और सफर सुरक्षित बनाना है, न कि खतरे को सड़क के नीचे धकेल देना। जब तक रांग साइड पर रोक, भारी वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग, बसों के लिए तय स्टॉप, सुरक्षित टर्निंग, पर्याप्त रोशनी और अतिक्रमण पर स्थायी कार्रवाई सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक हादसों का खतरा रहेगा। इस मार्ग पर हादसों का खतरा बना रहता है। पाटन व कटंगी बायपास पर भी ऐसी ही हालत है। यहां रोटरी, साइड रोड व प्रकाश व्यवस्था सुधारने की जरूरत सामने आई है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होती है, पर फिर से अस्थायी दुकानें लग जाती हैं।

वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने पहुंची विभाग की टीम पर हमला, डिप्टी रेंजर का सिर फूटा

माफिया ने ट्रैक्टर से कुचलने का भी किया प्रयास

सागर। दोपहर मेट्रो

वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने पहुंची विभाग की टीम पर अतिक्रमणकारियों ने हमला कर दिया साथ ही ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया गया. घटना शाहगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम निवाइ की है. हमले में डिप्टी रेंजर बुरी तरह से घायल हो गए उन्हें सिर में गंभीर चोट आई है। इसके अलावा एक अन्य वनकर्मी भी घायल हुआ। जिन्हें अस्पताल भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रविवार की रात शाहगढ़ वन परिक्षेत्र अंतर्गत छोटे बंथा के पास वन भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा था। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमणकारियों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान विवाद की स्थिति बन गई। बताया जाता है कि अतिक्रमणकारियों ने वनकर्मियों पर ट्रैक्टर चढ़ाने का भी



प्रयास किया। साथ ही लाठी-डंडों से भी हमला कर दिया। हमले में उप वन परिक्षेत्र अधिकारी शैलेन्द्र तिवारी और नारायण सिंह पलिया गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को तत्काल शाहगढ़ अस्पताल भेजा गया। जहां वन परिक्षेत्र अधिकारी शैलेन्द्र तिवारी को गंभीर हालत में सागर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

वीडियो वायरल, केस दर्ज

घटनास्थल का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे कार्रवाई के दौरान एक आरोपी ने जानबूझकर ट्रैक्टर को वनकर्मियों की तरफ बढ़ा दिया, जिससे कर्मचारियों ने बमुश्किल जान बचाई। इस मामले में पुलिस ने वन विभाग की औपचारिक शिकायत पर निवाई निवासी हरिराम यादव, अभित यादव और हरेन्द्र यादव के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, मारपीट और जान से मारने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई है। बताया जा रहा है कि आरोपी बड़े पैमाने पर वन भूमि पर कब्जा करने की तैयारी में थे।

नवरात्र में सेवा... औबेदुल्लागंज में श्रद्धालुओं को बांट रहे फलाहार



औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

नवरात्र में सलकनपुर धाम स्थित मां विजयासन के दर्शन के लिए पैदल और वाहनों से जा रहे श्रद्धालुओं की सेवा में औबेदुल्लागंज के भक्त जुटे हैं। नगर में दो दर्जन से अधिक सेवा पंढाल लगाए गए हैं, जहां श्रद्धालुओं को साबूदाने की खिचड़ी, खीर, फलाहारी प्रसाद, नाश्ता और शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। रेहटी रोड स्थित प्रसिद्ध सिद्ध श्री काली मंदिर में मंदिर समिति और भक्तों द्वारा विशेष सेवा शिविर

लगाया गया है। यहां श्रद्धालुओं को खीर, साबूदाने का प्रसाद और ठंडा पानी वितरित किया जा रहा है। वहीं, निशिता पेट्रोल पंप पर सेंगर परिवार ने नवरात्र के पहले दिन करीब 12 किंवाट साबूदाने की खिचड़ी बांटी। परिवार पिछले 11 वर्षों से यह सेवा कर रहा है और पूरे नौ दिनों तक श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करने का संकल्प लिया है। इन सेवा आयोजनों से धार्मिक आस्था के साथ सेवा और मानवता की भावना भी मजबूत हो रही है।

मेट्रो एंकर

निर्माण कार्यों पर खर्च होंगे 1.68 करोड़ रुपए, 62 गांवों की सुरक्षा व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

राजगढ़ में 1.40 करोड़ से बनेगा मॉडर्न थाना भवन, सरदारपुर में एसडीओपी कार्यालय

लखन टांक, धार। दोपहर मेट्रो

सरदारपुर तहसील में पुलिस व्यवस्था के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए राजगढ़ में आधुनिक अर्धशहरी थाना भवन और सरदारपुर में एसडीओपी कार्यालय का निर्माण किया जाएगा। दोनों परियोजनाओं पर कुल 1 करोड़ 68 लाख रुपए खर्च होंगे। मध्य प्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के इंदौर संभाग क्रमांक-1 ने निर्माण के लिए निविदाएं जारी कर दी हैं। राजगढ़ थाना परिसर में बनने वाले नए भवन पर 1 करोड़ 40 लाख 24 हजार रुपए खर्च होंगे। इसके निर्माण के लिए 10 माह की समयसीमा तय की गई है। भवन में थाना प्रभारी और उपनिरीक्षकों के लिए आवास सहित पुलिसकर्मियों की आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके लिए भूमिपूजन की तैयारी की जा रही है। बताते हैं, जल्द ही निर्माण कार्य की शुरुआत भी होगी।



62 गांव सीधे पहुंच में आ जाएंगे, गरत बढ़ेगी, अपराध पर नियंत्रण में भी आसानी

राजगढ़ थाना क्षेत्र में 62 गांव आते हैं। इनमें राजगढ़ कस्बे के साथ कजरोटा और धुलेट जैसे अधिक आबादी वाले गांव शामिल हैं। क्षेत्र के मोहनखेड़ा तीर्थ में विशिष्ट और वीआईपी लोगों का आवागमन रहता है। वहीं, माजलिया घाट क्षेत्र में लूट सहित अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका के चलते पुलिस निगरानी महत्वपूर्ण है। नए भवन से

गश्त, निगरानी और अपराध नियंत्रण के कार्यों को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।पुलिस का दावा है कि नए भवन बनने के बाद पुलिस की जद में सीधे 62 गांव आ जाएंगे। अब भी यहां पेट्रोलिंग की जा रही है,लेकिन नजदीकी बढ़ने से अपराधियों पर पल-पल नजर रखने में आसानी होगी। सुरक्षा भी बढ़ेगी।

6 माह में बनकर तैयार हो

जाएगा एसडीओपी कार्यालय

सरदारपुर थाना परिसर में एसडीओपी कार्यालय का निर्माण 28 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। इसके लिए छह माह की कार्य अवधि निर्धारित की गई है। सरदारपुर एसडीओपी अनुभाग के अंतर्गत सरदारपुर, राजगढ़, राजोद और अमड़ोरा थानों के साथ केशवी और दसई पुलिस चौकियां आती हैं। नए कार्यालय से थानों के बीच समन्वय, अपराधों की समीक्षा और कानून-व्यवस्था की निगरानी में सुविधा मिलेगी। दोनों परियोजनाओं के लिए अब निविदा प्रक्रिया पूरी होने और कार्यदेश जारी होने के बाद निर्माण शुरू होगा। समय पर काम पूरा होने से क्षेत्र की पुलिस व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

न्यूजीलैंड दौरे से पहले टीम इंडिया को झटका

ऋषभ पंत शुरुआती दो मैचों से बाहर, कुशाग्र को मिला मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड दौरे से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत चोट के कारण न्यूजीलैंड ए के खिलाफ होने वाले शुरुआती दो बहुदिवसीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। पंत की चोट ने न केवल इंडिया ए की तैयारियों को प्रभावित किया है, बल्कि आगामी टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। उनकी जगह युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को पहले दो मैचों के लिए इंडिया ए की टीम में शामिल किया गया है। पंत फिलहाल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चिकित्सा टीम की निगरानी में हैं और तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं।

ऋषभ पंत को सितंबर में ईरानी कप के दौरान चोट लगी थी। उस मुकाबले में वह रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी कर रहे थे। इसी दौरान उनके बाएं हिस्से में खिंचाव आ गया था। इसके बाद से ही उनकी फिटनेस पर नजर रखी जा रही है। बीसीसीआई ने सोमवार को पंत के शुरुआती दो मुकाबलों से बाहर रहने की पुष्टि की। हालांकि, पंत की चोट कितनी गंभीर है और उन्हें पूरी तरह फिट होने में कितना समय लगेगा, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। बोर्ड की चिकित्सा टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर रख रही है। तीसरे मुकाबले में उनकी उपलब्धता को लेकर फैसला बाद में लिया जाएगा। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पंत न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने के लिए समय पर पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।

टेस्ट सीरीज से पहले बढ़ी चिंता

भारत को 19 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऐसे में पंत की चोट भारतीय टीम के लिए अहम चिंता का विषय बन गई है। पंत टेस्ट क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। दबाव की परिस्थितियों में तेजी से रन बनाने की उनकी क्षमता टीम को अतिरिक्त मजबूती देती है। हालांकि, आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का आधिकारिक ऐलान अभी नहीं हुआ है। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि पंत पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। फिलहाल उनका ध्यान चोट से उबरने और पूरी फिटनेस हासिल करने पर है। तीसरे इंडिया ए मुकाबले में उनकी वापसी को लेकर आने वाला फैसला भी उनकी स्थिति स्पष्ट करने में अहम साबित हो सकता है।

24 अक्टूबर से शुरू होगा इंडिया ए का दौरा

इंडिया ए की टीम न्यूजीलैंड ए के खिलाफ 24 अक्टूबर से 10 नवंबर के बीच तीन बहुदिवसीय मुकाबले खेलेगी। पहला मैच लिंकन में, दूसरा क्राइस्टचर्च में और तीसरा मुकाबला फिर लिंकन में आयोजित होगा। न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव युवा और अनुभवी खिलाड़ियों, दोनों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इन मुकाबलों के जरिए खिलाड़ियों को वहां की पियों, मौसम और गेंदबाजी परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने का अवसर मिलेगा। साथ ही, अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में अपनी दावेदारी मजबूत करने का भी मौका रहेगा।

कौन हैं कुमार कुशाग्र?

ऋषभ पंत की जगह टीम में शामिल किए गए 21 वर्षीय कुमार कुशाग्र झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। वह घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से लगातार ध्यान खींच रहे हैं। गुजरात टाइटन्स का हिस्सा रह चुके कुशाग्र ने दलौप ट्रॉफी के फाइनल में शानदार शतक लगाया था। उनकी पारी ने ईस्ट जोन की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, सितंबर में पुदुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेलते हुए भी कुशाग्र ने अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया था। उन्होंने एक मुकाबले में शतक लगाया, जबकि दूसरे अवसर पर 46 रन बनाकर नाबाद रहे। इन प्रदर्शनों ने उनकी प्रतिभा और दबाव में खेलने की क्षमता को उजागर किया है। अब न्यूजीलैंड ए के खिलाफ उन्हें अपनी काबिलियत साबित करने का मौका मिलेगा। पंत की अनुपस्थिति में कुशाग्र पर अतिरिक्त जिम्मेदारी रह सकती है। यदि वह इस दौरे पर बले और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींच सकते हैं।

इंग्गं किनवेन को झटका, चोट के कारण वुहान ओपन से हटने का फैसला; आंद्रीवा भी बाहर



नई दिल्ली. चाइना ओपन का खिताब जीतकर सुखियों में आई चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी इंग्गं किनवेन अब वुहान ओपन में खेलती नजर नहीं आएंगी। बीजिंग में शानदार प्रदर्शन के बाद इंग्गं ने दाहिने कंधे में चोट और लगातार मैच खेलने से हुई शारीरिक थकान के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। वहीं, चाइना ओपन की उपविजेता मिरां आंद्रीवा ने भी शेड्यूल में बदलाव के चलते वुहान ओपन से हटने का फैसला किया है। दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने से महिला सिंगल्स के ड्रॉ में बदलाव किया गया है। इंग्गं किनवेन ने रविवार को खेले गए फाइनल में रूस की मिरां आंद्रीवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह चाइना ओपन जीतने वाली पहली चीनी खिलाड़ी बनीं। यह उनके बीजिंग में पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब भी रहा। इंग्गं ने 2024 में टोक्यो में खिताब जीतने के बाद अपना पहला सिंगल्स खिताब हासिल किया। चोट से वापसी के बाद उन्होंने यूएस ओपन, बिली जीन किंग कप और बीजिंग में लगातार मुकाबले खेले। इस व्यस्त कार्यक्रम का असर अब उनकी फिटनेस पर दिखाई दे रहा है। वुहान ओपन से हटने की घोषणा करते हुए इंग्गं ने कहा कि चोट से वापसी के बाद पिछले डेढ़ महीने में कई कठिन टूर्नामेंट खेलने के कारण उनका शरीर काफी थक गया है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

गिल-स्काउट ओपी की नजदीकियों पर भड़कीं काम्या , बोलीं- ‘लड़की, अब तो जाग जाओ!’

मुंबई। रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ में लव गिल और गेमर स्काउट ओपी की बढ़ती नजदीकियां अब चर्चा का बड़ा विषय बन गई हैं। दोनों की बॉन्डिंग और उनके बदले व्यवहार को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस बीच अभिनेत्री और पूर्व बिग बॉस प्रतिभागी काम्या पंजाबी ने लव गिल को लेकर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि लव को रियलिटी चेक की जरूरत है और उन्हें अपने व्यवहार पर दोबारा विचार करना चाहिए।

काम्या पंजाबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लव गिल के व्यवहार पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि एक तरफ कैमरे के सामने बेस्ट फ्रेंड और



बहन जैसे रिश्ते की बातें करना और दूसरी तरफ दूरी बनाने की योजना बनाना समझ से परे है।

काम्या ने अपनी पोस्ट में लव को जागने और परिस्थितियों को समझने की

सलाह दी। उनका मानना है कि रियलिटी शो में भी रिश्ते और व्यवहार की कुछ सीमाएं होनी चाहिए। अभिनेत्री की इस टिप्पणी के बाद शो के प्रशंसकों के बीच दोनों कंटेस्टेंट्स की बॉन्डिंग को लेकर बहस और तेज हो गई है।

दरअसल, शो में स्काउट ओपी ने शुरुआत में लव गिल को बहन जैसा बताया था। हालांकि, बाद में दोनों के बीच बढ़ती नजदीकियों के साथ स्काउट की भावनाओं को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई। शो के दौरान स्काउट ने यंग डीएसए के साथ बातचीत में स्वीकार किया कि जब लव दूसरे कंटेस्टेंट्स से बात करती हैं, तो उन्हें जलन और पजेसिवनेस महसूस होती है। उनके इस बयान ने दोनों के रिश्ते को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

मसाज और पैर दबाने के वीडियो हुए वायरल

लव और स्काउट के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिनमें स्काउट लव की मसाज करते और उनके पैर दबाते नजर आए। इन वीडियो के सामने आने के बाद कई यूजर्स ने दोनों की नजदीकियों पर सवाल उठाए, जबकि कुछ दर्शकों ने इसे उनकी आपसी बॉन्डिंग का हिस्सा बताया। इस पूरे मामले पर भोजपुरी अभिनेत्री और शो की प्रतिभागी आम्रपाली दुबे ने भी लव को समझाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा था कि घर के भीतर सामान्य लगने वाली कुछ बातें बाहर मौजूद उनके पार्टनर्स को असहज कर सकती हैं। मसाज के दौरान उन्होंने लव को हाथ शर्ट के बाहर रखने की सलाह भी दी थी।

मनाली की वादियों में बकरी के साथ नजर आई ‘राम तेरी गंगा मैली’ फेम मंदाकिनी

ओर फैली हरियाली, पहाड़ों के खूबसूरत नजारे और शांत वातावरण वीडियो को खास बना रहे हैं। वीडियो में अभिनेत्री एक बकरी को पकड़े हुए वादियों में घूमती नजर आती हैं। उनका सहज अंदाज और चेहरे की मुस्कान प्रशंसकों का ध्यान खींच रही है। वीडियो के जरिए उन्होंने पहाड़ों के बीच बिताए सुकून भरे पलों की झलक दिखाई है। वीडियो साझा करते हुए मंदाकिनी ने मनाली में बिताए खूबसूरत दिनों को याद किया। उन्होंने बर्फ से ढंके पहाड़ों, प्राकृतिक नजारों और शांत वातावरण के बीच दोबारा समय बिताने



की इच्छा जाहिर की। अभिनेत्री ने अपने संदेश में बताया कि कुछ जगहें केवल खूबसूरत यादें ही नहीं देतीं, बल्कि दिल से भी जुड़ जाती हैं। मनाली उनके लिए ऐसी ही जगह है, जहां वह फिर लौटना चाहती हैं। उनकी इस पोस्ट से साफ झलकता है कि पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और सुकून उन्हें कितना आकर्षित करते हैं। मंदाकिनी को राज कपूर की चर्चित फिल्म ‘राम तेरी गंगा मैली’ से बड़ी पहचान मिली थी। फिल्म में उनके अभिनय ने उन्हें हिंदी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया।

भारत-श्रीलंका वनडे मैच पर BCCI का बड़ा बयान! दिल्ली से अहमदाबाद शिफ्ट होने की खबरों पर लगा विराम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच दिसंबर में होने वाली वनडे सीरीज को लेकर चल रही अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने स्थिति स्पष्ट की है। बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि 13 दिसंबर को दिल्ली में होने वाला वनडे मुकाबला अहमदाबाद स्थानांतरित किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीसीसीआई ने मैच का वेन्यू बदलने को लेकर कोई फैसला नहीं लिया है।

देवजीत सैकिया ने अपने बयान में कहा कि दिल्ली में प्रस्तावित भारत-श्रीलंका वनडे मुकाबले को अहमदाबाद शिफ्ट किए जाने की खबरें सही नहीं हैं। उन्होंने मीडिया से अपील की कि मैचों के कार्यक्रम और आयोजन स्थलों से संबंधित जानकारी के लिए बीसीसीआई की आधिकारिक घोषणाओं पर भरोसा किया जाए। सैकिया ने यह भी कहा कि दो देशों के बीच होने वाले मुकाबलों के आयोजन स्थल तय करने के लिए निर्धारित नीतियों और प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है। इससे पहले मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नवीनीकरण की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत पिच और आउटफील्ड को नया रूप देने

भारत और श्रीलंका के बीच दिसंबर में होने वाली वनडे सीरीज को लेकर चल रही अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने स्थिति स्पष्ट की है। बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि 13 दिसंबर को दिल्ली में होने वाला वनडे मुकाबला अहमदाबाद स्थानांतरित किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीसीसीआई ने मैच का वेन्यू बदलने को लेकर कोई फैसला नहीं लिया है।

देवजीत सैकिया ने अपने बयान में कहा कि दिल्ली में प्रस्तावित भारत-श्रीलंका वनडे मुकाबले को अहमदाबाद शिफ्ट किए जाने की खबरें सही नहीं हैं। उन्होंने मीडिया से अपील की कि मैचों के कार्यक्रम और आयोजन स्थलों से संबंधित जानकारी के लिए बीसीसीआई की आधिकारिक घोषणाओं पर भरोसा किया जाए। सैकिया ने यह भी कहा कि दो देशों के बीच होने वाले मुकाबलों के आयोजन स्थल तय करने के लिए निर्धारित नीतियों और प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है। इससे पहले मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नवीनीकरण की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत पिच और आउटफील्ड को नया रूप देने



2027 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए अहम सीरीज

भारतीय टीम के लिए यह वनडे सीरीज 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले पुरुष वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण होगी। इन मुकाबलों के जरिए टीम प्रबंधन खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन करने, सही संयोजन तलाशने और विश्व कप के लिए मजबूत टीम तैयार करने पर ध्यान दे सकता है। फिलहाल बीसीसीआई के बयान के मुताबिक, दिल्ली में होने वाले पहले वनडे को अहमदाबाद स्थानांतरित करने का कोई फैसला नहीं लिया गया है।

के साथ आधुनिक ड्रेजिंग सिस्टम स्थापित करने की बात कही गई थी। इन्हें खबरों के आधार पर भारत-श्रीलंका के पहले वनडे के दूसरे शहर में आयोजित होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, बीसीसीआई ने फिलहाल ऐसी किसी बदलाव की पुष्टि नहीं की है।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर वैश्विक तेल बाजार पर दिखाई दे रहा है। वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैश ने ब्रेंट क्रूड की कीमतों को लेकर अपना अनुमान बढ़ा दिया है। बैंक के मुताबिक, दिसंबर 2026 तक ब्रेंट क्रूड का औसत भाव 90 डॉलर प्रति बैरल रह सकता है, जबकि पहले यह अनुमान 85 डॉलर था। यानी पूर्वानुमान में करीब 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई

कच्चे तेल में उबाल! गोल्डमैन सैश ने बढ़ाया ब्रेंट क्रूड का अनुमान

है। तेल आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता और जोखिम प्रीमियम में धीमी गिरावट को इसका प्रमुख कारण बताया गया है। गोल्डमैन सैश की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेंट क्रूड की मौजूदा कीमत लगभग 103 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर है। इसके मुकाबले दिसंबर 2026 का 90 डॉलर का अनुमान करीब 13 प्रतिशत कम है। हालांकि, बैंक ने वर्ष 2027 के लिए ब्रेंट क्रूड का औसत मूल्य अनुमान 80 डॉलर प्रति बैरल पर बरकरार रखा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेल की उपलब्धता, सीमित भंडार और ब्याज दरों का

प्रभाव कीमतों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। इन परिस्थितियों के चलते तेल की भौतिक खरीद और वित्तीय जोखिम से बचाव की गतिविधियों को भी समर्थन मिल सकता है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी के आखिर में ब्रेंट क्रूड करीब 70 डॉलर प्रति बैरल था, जो आपूर्ति संबंधी चिंताओं और होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग बाधाओं के कारण 125 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया।

बड़े बाजारों पर भारत की नजर, 85 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थाओं तक पहुंचेगा कारोबार!

नई दिल्ली। भारत की वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाने और देश के कारोबार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में केंद्र सरकार मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को महत्वपूर्ण माध्यम मान रही है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित ‘दिल्ली डायलॉग भविष्य के लिए तैयार भारत की नीतियां’ सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत के नए व्यापार समझौतों से अगले डेढ़ साल के आसपास विकसित देशों के उन बाजारों तक प्राथमिकता के आधार पर पहुंच मिलने की उम्मीद है, जिनकी संयुक्त जीडीपी करीब 85 ट्रिलियन डॉलर है। इससे भारतीय उद्योगों, उद्यमियों, युवाओं और स्टार्टअप के लिए नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत वैश्विक बाजार का हिस्सा बनकर रोजगार, कारोबार और नवाचार के नए

अवसर पैदा करना चाहता है। इसके लिए देश को दोहरी रणनीति अपनानी होगी। एक ओर दुनिया की बेहतरीन तकनीक को अपनाना होगा, वहीं दूसरी ओर ऐसे क्षेत्रों की पहचान करनी होगी, जहां रोजगार और व्यावसायिक विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।



द्वितीय डॉलर है। उन्होंने कहा कि 1.4 अरब की आबादी, युवा कार्यबल और तेज विकास दर भारत को वैश्विक व्यापार में नए अवसर पैदा करेगी। गोयल ने पर्यटन को रोजगार और कारोबार बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया।

पनामा में फिर भूकंप

आपातकाल घोषित

7.7 के बाद अब 6.1 तीव्रता 147 झटकों से पहले ही कांप चुका है देश



पनामा सिटी। एजेंसी

पनामा में मंगलवार, 13 अक्टूबर की सुबह एक बार फिर भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई। भारतीय समय के अनुसार, भूकंप सुबह 4 बजकर 50 मिनट 37 सेकंड पर आया। इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। फिलहाल इस ताजा भूकंप से हुए नुकसान की जानकारी मूल रिपोर्ट में नहीं दी गई है। पनामा में इससे पहले शुक्रवार रात 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके बाद कई और झटके महसूस किए गए। आपातकालीन संचालन केंद्र के निदेशक रेने गार्सिया ने समाचार एजेंसी सीएनएन को बताया कि भूकंप के बाद 147 झटके आए थे। इनमें कुछ की तीव्रता 6.1 और 6.6 तक पहुंच गई थी। शुक्रवार को आए भूकंप की तीव्रता शुरूआती जानकारी के अनुसार 7.7 थी। इसका केंद्र लॉस सैंटोस प्रांत में टोनोंसी से करीब 39 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। भूकंप से कई इलाकों में घरों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, सड़कों और सरकारी इमारतों को नुकसान पहुंचा था। सीएनएन के मुताबिक, कुछ लोगों को मामूली चोटें आई थीं। उस समय तक किसी की मौत या किसी के लापता होने की खबर नहीं थी।



भूकंप से आम लोगों पर क्या असर पड़ा?

भूकंप के बाद पनामा में सार्वजनिक परिवहन और हवाई सेवाएं भी प्रभावित हुई थीं। एहतियात के तौर पर देश की दो मेट्रो लाइनों पर सेवाएं रोक दी गई थीं। मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी कुछ समय के लिए बंद किया गया था। हालांकि, बाद में हवाई अड्डे पर परिचालन फिर शुरू हो गया। सबसे ज्यादा नुकसान दक्षिणी तट पर स्थित कोवले प्रांत में सामने आया था। राजधानी पनामा सिटी में भी कुछ नुकसान हुआ था। राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।



न्यूज विडो

काठगोदाम रोड पर पटाखों से भरे ट्रक में लगी आग, धमाकों से अफरा तफरी नैनीताल।

नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर मंगलवार सुबह पटाखों से भरे एक ट्रक में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया।



ज्योलीकोट के समीप चलते ट्रक के पिछले हिस्से में आग लग गई। देखते ही देखते ट्रक में रखे पटाखे फूटने लगे। बीच सड़क पटाखों के धमाकों से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस दौरान चालक ने किसी तरह ट्रक से उतरकर भागते हुए अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, सुबह पटाखों से भरा एक ट्रक हल्द्वानी से ज्योलीकोट की ओर जा रहा था। इसी दौरान ज्योलीकोट के पास अचानक ट्रक के पिछले हिस्से में आग लग गई। आग लगते ही ट्रक में रखे पटाखे फूटने लगे। सड़क पर पटाखों के लगातार धमाकों के कारण मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

करनाल में करोड़ों का गबन मामला: पूर्व प्रधान और प्रबंधक की संपत्ति कुर्क

करनाल। लोगों से ऋण और जमापूंजी के नाम पर 2.14 करोड़ रुपये के गबन के मामले में दी न्यू करनाल को-ऑपरेटिव मल्टी पर्पज सोसायटी लिमिटेड के पूर्व प्रधान भगवान सिंह गिल और प्रबंधक मीनू खन्ना की संपत्ति कुर्की का आदेश हुआ है। यह आदेश सहकारी समितियां कार्यालय की सहायक रजिस्ट्रार अदिति संगर ने 2023 में हुए गबन में हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम, 1984 की धारा 111 के तहत दिए हैं। विभागीय जांच के दोनों गबन के लिए जिम्मेदार पाए गए। विभाग के अनुसार, दोनों के पास मल्टीपर्पज सोसायटी यानी शिक्षा या परिवहन समिति व खाद बीज विक्रता सोसायटी बनाने का अधिकार था लेकिन इन्होंने बैंक सोसायटी बनाकर 160 खाताधारकों के साथ धोखाधड़ी की। उन्हें कई तरह के ऋण और जमा राशि व विदेश भेजने के नाम पर डिपॉजिट करारक धोखाधड़ी को अंजाम दिया, जबकि यह कार्य इनकी सोसायटी का नहीं था।

डायरेक्टर के इस्तीफे पर अड़े युवा आईआईआईटी रांची में छात्र की मौत पर तीसरे दिन बवाल रांची। एजेंसी

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी (ट्रिपल आइट्टी) रांची के हॉस्टल में गत दिनों एक छात्र की मौत के बाद स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी हुई है। पिछले तीन दिनों से संस्थान के छात्र-छात्राएं प्रबंधन के विरोध में मोर्चा खोलते हुए हैं और खलगांव हाउसिंग सोसाइटी स्थित हास्टल के नीचे जमकर नारेबाजी कर रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि जब तक निदेशक प्रो. राजीव श्रीवास्तव को हटया नहीं जाएगा तब तक हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान में पिछले कई माह से लापरवाही बरती जा रही है, बार-बार

शिकायत करने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।छेटी-छेटी चीजों के लिए हम छात्रों को जेबें ढेली करनी पड़ती है जबकि प्रतिवर्ष हमलोग चार लाख रुपये पढ़ाई के अलावा अन्य मदों में यहां फीस के तौर पर देते हैं।

इसके बावजूद हमें लचर व्यवस्था का शिकार होना पड़ता है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी हास्टल परिसर में ही धरना प्रदर्शन कर रहे हैं और बाकायदा बैनर पोस्टर लगाकर निदेशक को हटाने की मांग कर रहे हैं। शाम करीब सात बजे संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड एके भट्ट, निदेशक प्रो. राजीव श्रीवास्तव समेत फैकल्टी और स्टाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने पहुंचे।

मेट्रो एंकर

आखिरी बार वर्ष 1926 में खुदाई के दौरान जमीन ने नीचे ढूँढा गया था

उत्तरकाशी: धराली आपदा के 14 महीने बाद मलबे में दबे कल्प केदार मंदिर की तलाश शुरू

उत्तरकाशी। एजेंसी

गत वर्ष अगस्त माह में धराली में आई विनाशकारी आपदा के एक वर्ष दो माह बाद ग्रामीणों ने मलबे में दबे प्राचिन कल्प केदार मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए खुदाई शुरू कर दी। मंदिर समिति से जुड़े लोगों के अनुसार इतिहास में चौथी बार कल्प केदार को ढूँढ़ने का काम शुरू किया गया है। इससे पूर्व आखिरी बार वर्ष 1926 में खुदाई के दौरान कल्प केदार के मुख्य मंदिर को जमीन ने नीचे ढूँढा गया था। नवरात्रि के शुभअवसर पर आपदा प्रभावित धराली गांव के ग्रामीणों ने आराध्य समेश्वर देवता की देवडोली के आदेश और सानिध्य में कल्पकेदार मंदिर को मलबे के नीचे ढूँढ़ने के लिए खुदाई



शुरू कर दी गई है।

वहां पर विधिविधान के हवन के साथ पूजा पाठ किया गया। उसके बाद समेश्वर देवता के दिए समय पर खुदाई शुरू की गई। कल्प केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष

राजेश पंवार ने बताया कि अभी देवता के आदेश के साथ ग्रामीणों ने अपने संसाधनों से खुदाई शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने भी मंदिर के जीर्णोद्धार की घोषणा की है। जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल उनसे

मस्क ने ट्रंप की पार्टी को दिया 2500 करोड़ रुपये का चंदा

बर्नी सैंडर्स मड़के, बोले- धनकुबेरों को रोको

वाशिंगटन। एजेंसी

अरबपति कारोबारी और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क इन दिनों दो देशों में अलग-अलग वजहों से चर्चा में हैं। भारत में उन्होंने स्टारलैंक की शुरुआत को लेकर मुकेश अंबानी पर तंज कसा था। अब अमेरिका में सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने मस्क के राजनीतिक चंदे को लेकर उन पर निशाना साधा है। सैंडर्स का आरोप है कि मस्क अपने पैसे के दम पर अमेरिकी राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मस्क को रोको, धनकुबेरों के वर्चस्व को रोको।'

अमेरिका में मस्क के चंदे पर क्यों उठे सवाल?

अमेरिका में बर्नी सैंडर्स ने मस्क के राजनीतिक चंदे को लेकर सवाल उठाए हैं। सैंडर्स के मुताबिक, मस्क ने 2024 में डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव जिताने के लिए करीब 29 करोड़ डॉलर खर्च किए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि इसके बाद मस्क की संपत्ति में 696 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई और वह दुनिया के पहले खरबपति बन गए। संपत्ति में बढ़ोतरी से जुड़ा यह आंकड़ा सैंडर्स के दावे के रूप में सामने आया है। सैंडर्स ने अपनी पोस्ट में कहा कि अब मस्क अमेरिकी संसद में रिपब्लिकन पार्टी का नियंत्रण बनाए रखने के लिए 36.6 करोड़ डॉलर खर्च कर रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने धनकुबेरों के राजनीतिक प्रभाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि मस्क और ऐसे लोगों के वर्चस्व को रोकने की जरूरत है।

पार्टी को कितना पैसा दिया?

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मस्क ने तीन नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की मदद के लिए जुलाई से अब तक 27.6 करोड़ डॉलर यानी करीब 2,500 करोड़ रुपये दिए हैं। 2025-26 के चुनाव चक्र में रिपब्लिकन समूहों को उनका कुल योगदान 36.6 करोड़ डॉलर यानी करीब 3,300 करोड़ रुपये बताया गया है। मस्क ने रिपब्लिकन सीनेट लीडरशिप फंड को 15.8 करोड़ डॉलर दिए। इसके अलावा, रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवारों के समर्थन में सक्रिय अमेरिका पीएसी को 7.6 करोड़ डॉलर और हाउस रिपब्लिकन के प्रमुख सुपर पीएसी को दो करोड़ डॉलर दिए। टेक्सास में सीनेट उम्मीदवार केन पैक्सटन के समर्थन वाले समूह को भी एक करोड़ डॉलर दिए गए। रिपब्लिकन गवर्नर्स एसोसिएशन को एक करोड़ डॉलर मिले।

अंबानी पर कसा था तंज!

मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलैंक भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच मस्क ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाया था कि भारत में कुछ बड़े कारोबारी अपने एकाधिकार को बचाने के लिए स्टारलैंक की शुरुआत में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने मुकेश अंबानी पर तंज कसते हुए पूछा था कि क्या वह भारत के असली ताकतवर व्यक्ति हैं। इसके बाद उन्होंने व्यंग्य में अंबानी को 'प्रधानमंत्री अंबानी' कहकर संबोधित किया। भारत में मस्क ने अंबानी पर बाजार में एकाधिकार बनाए रखने का आरोप लगाया। अमेरिका में सैंडर्स उन पर राजनीतिक चंदे के जरिये सत्ता और संसद पर प्रभाव बढ़ाने का आरोप लगा रहे हैं। दोनों मामलों में आर्थिक ताकत और उसके प्रभाव को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, अमेरिका में राजनीतिक चंदा देना अपने आप में किसी सीढ़े या सरकारी लाभ का सबूत नहीं है।

लॉरेंस गैंग के दो शूटरों को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। एजेंसी

पंचकूला में पुलिस और क्राइम ब्रांच-2 की संयुक्त टीम ने लॉरेंस बिश्नोई और अर्जु बिश्नोई गैंग के दो कुख्यात शूटरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। सेक्टर 3 स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम के पास हुई इस मुठभेड़ में बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग के जवाब में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों के पैरों में गोली मारकर उन्हें काबू में किया। आधिकारिक प्राथमिकी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गैंग के दो सदस्य इलाके में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस पर पंचकूला पुलिस और क्राइम ब्रांच-2 की टीम ने ताऊ देवी लाल स्टेडियम से सेक्टर 21 की ओर जाने वाले मार्ग पर



नाकेबंदी कर दी। पुलिस को देखकर दोनों संदिग्ध भागने लगे और उन्होंने तुरंत अपने पास मौजूद अवैध हथियारों से पुलिसकर्मियों पर सीधे गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इनमें से एक गोली सरकारी गाड़ी में लगी, जबकि दूसरी गोली थाना प्रभारी द्वारा पहनी गई बुलेटप्रूफ जैकेट पर जा लगी। वहीं, एक अन्य गोली सहायक उप-निरीक्षक सुनील कुमार के कान के बेहद पास से गुजर गई।

यूपी में ट्रिपल मर्डर: चंदे के हिसाब में विवाद, दो पक्ष आमने-सामने आए

पीलीभीत।एजेंसी

पीलीभीत के अमरिया कस्बे में सोमवार रात हुए तिहरे हत्याकांड की वजह रामलीला कमेटी में चंदे का हिसाब-किताब रहा। अध्यक्ष के निधन के बाद उनके चचेरे भाई को यह जिम्मेदारी मिली जिसे विरोधी पचा नहीं पा रहे थे। यही वजह रही जो वे लगातार कई बैठकों में हंगामा कर रहे थे। इस बार की बैठक में वे असलहों के साथ आए थे। दूसरा पक्ष इस बारे में अनभिज्ञ था, इसी वजह से उड़ी के तीन लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा।

रामलीला कमेटी की अध्यक्षता को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद पहले से थे। पहले नरेश गुप्ता कमेटी के अध्यक्ष थे। उनके निधन के बाद उनके चचेरे भाई चंद्रप्रकाश गुप्ता को मेला अध्यक्ष चुना गया। दूसरे पक्ष के कौशल गुप्ता ने भी पदाधिकारी



बनने की दावेदारी ठोंकी थी। इसीलिए कौशल पक्ष की ओर से चंद्रप्रकाश गुप्ता से रामलीला कमेटी के चंदे की जानकारी व आय-व्यय का हिसाब मांगा जा रहा था।

इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनातनी बढ़ती गई। बताया गया कि कुछ समय पहले भी इस मामले को लेकर बैठक तय हुई थी। तभी कस्बे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, उसमें कौशल गुप्ता पक्ष के लोग पहुंचे, जबकि चंद्रप्रकाश गुप्ता पक्ष के लोग गमी की बात कहकर शामिल नहीं हुए।

हिमाचल: बेटे की गलती से घबराकर मां ने भी खाया जहर

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के पधर उपमंडल की जिल्हण पंचायत के सिल्हासवाड़ गांव में मां और चार वर्षीय बेटे के जहरीला पदार्थ निगलने के मामले में वजह सामने आई है। उपचार के बाद स्वस्थ हुई 26 वर्षीय महिला जय ललिताने पुलिस को दिए बयान में बताया कि चार अक्टूबर को उसके बेटे ने गलती से जहरीला पदार्थ खा लिया था। इससे घबराकर उसने भी जहरीला पदार्थ निगल लिया। घटना के बाद दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया था। अब बच्चा और उसकी मां दोनों स्वस्थ हैं। महिला करीब एक सप्ताह तक मेडिकल कॉलेज नरचौक में उपचाराधीन रही और पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद घर लौट आई है। घटना का पता उस समय चला, जब एक राहगीर ने घर के भीतर से महिला और बच्चे के चिल्लाने की आवाजें सुनीं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन** : 0755-7963564, 4917524